हिन्दी पुष्पमाला

III

लेखक :

इबोहल सिंह काङजम

देवराज

रघुमणि शर्म

लोकेन्द्र शर्मा

ब्रजकुमार शर्मा

लनचेनबा मीतै

बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एडूकेशन

मणिपुर

Published By :
The Secretary ,
Board of Secondary Education,
Manipur

© Board of Secondary Education, Manipur

1st Edition	**:**	2011
2nd Edition	**:**	2012
3rd Edition	**:**	2013
Reprint	**:**	December 2018
Reprint	**:**	August, 2020

Copies	**:**	**10,000**

Price Rs. 65/- (Sixty Five)

Printed at : **CD Byte Computers,** Yaiskul Police Lane, Imphal-795001.

प्रस्तावना

हिन्दी का शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में तीसरी कक्षा से प्रारम्भ किया जाता है। इसके पूर्व शिक्षार्थी विद्यालयी वातावरण में दो वर्ष व्यतीत कर चुका होता है। तेजी से होने वाले शारीरिक और मानसिक परिवर्तन, जिज्ञासु वृत्ति, सहभागिता की इच्छा, सक्रियता, समायोजन और संघर्ष करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति इसे घर और विद्यालय से ही नहीं, आसपास के वातावरण से भी जोड़ देती है। आवागमन और संचार के साधनों के सम्पर्क तथा सूचना और मनोरंजन के साधनों के प्रभाव से बालक के संसार का विस्तार होने लगता है। उसे अपने आसपास की वस्तुओं, पशु-पक्षियों, प्रतीकों आदि से सम्बन्ध बनाने का अभ्यास भी होने लगता है। यह बालक के व्यक्तित्व में संवेगात्मक आयामों के विकास और प्रभाव की पृष्ठभूमि है।

अध्यापकों को इन तथ्यों के प्रकाश में अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। भाषा-शिक्षण के अध्यापक बालक के परवर्ती शैक्षिक जीवन का मूल आधार हैं। यदि वे अपना कर्तव्य सही-सही पूरा कर पाए तो शिक्षा का उद्देश्य पूरा होगा। प्राथमिक शिक्षा की पहली सीढ़ी से जुड़े अध्यापक केवल उपलब्ध कराई गई पाठ्य-सामग्री के प्रस्तुतकर्ता नहीं होते, बल्कि वे अध्यापन की ऐसी स्वाभाविक और सामयिक विधियों के खोजी भी होते हैं, जिनकी ओर अन्य लोगों का ध्यान नहीं जाता। यह उनकी निर्माता और सृजनकर्ता की भूमिका है। वे जानते हैं कि यदि शिक्षार्थी पहले चरण में ही भाषा से मानसिक लगाव और निजी रिश्ता न बना पाया तो आगे चल कर वह भाषा तथा साहित्य के अध्ययन में ही पिछड़ा हुआ नहीं रहेगा, अन्य विषयों को सम्पूर्णता में ग्रहण करने में भी कठिनाई अनुभव करेगा। भाषा-शिक्षण का प्रथम चरण वस्तुतः अभिव्यक्ति के सर्वाधिक समर्थ माध्यम का आधार है। इसके बिना शिक्षार्थी का विकास असंभव है। भाषा-शिक्षण से जुड़े अध्यापकों को इस तथ्य से आँखें नहीं मूंदनी चाहिए।

प्रथम-चरण का भाषा-शिक्षण मुख्यतः मौखिक शिक्षण है; अतः अध्यापकों को उसी के अनुरूप अपनी कार्य-पद्धति का निर्धारण करना है। उन्हें शिक्षार्थी के श्रवण और भाषण कौशल के विकास की तैयारी करते समय वस्तुओं तथा वातावरण की पहचान और रुचि पर ध्यान देना है। घरेलू पशु-पक्षियों से बालक का परिचय अनायास हो जाता है। इस सुविधा का लाभ उठा कर शिक्षण की प्रणाली विकसित करना उपयोगी होगा। उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि परिवेश की भिन्न-भिन्न स्थितियों के कारण सभी शिक्षार्थियों की ग्रहण-शक्ति समान नहीं होती। ऐसे में कक्षा में ही अभ्यास की निरन्तरता पर विशेष

गांधीजी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ:

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगी। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा ? क्या उससे वह अपने हो जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा ? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है ?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

सचिव का निवेदन

विश्व की बदलती परिस्थितियों, वातावरण और परिवेश के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए यह राष्ट्रीय पाठ्यचर्या को स्परेखा - २००५(एन.सी.एफ.- 2005) के अनुसार पाठ्य पुस्तकों का निर्माण कराकर प्रकाशित करता आ रहा है। शिक्षा को उच्च स्तर तक उठाना इस बोर्ड की कोशिश रही है।

जो पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या को स्परेखा- २००५(एन.सी.एफ.- 2005) के अन्तर्गत लिखकर प्रकाशित की गईं, उनको नये राष्ट्रीय पाठ्यचर्या को स्परेखा- २००५(एन.सी.एफ.- 2005) के अनुसार संशोधित तथा परिवर्धित कर समयानुकूल बनवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। यह भी लक्ष्य रखा गया है कि मणिपुरी वातावरण के साथ उनका संगत हो। इसलिए पूरी सावधानी रखवाकर पुस्तकों को फिर से तैयार करवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। लेखकों और परीक्षण-परिमापन करने वालों के साथ बैठकर काफी गहराई तथा विस्तुत रूप से विचार-विमर्श कर पुस्तकों की कमियों और त्रुटियों का परिमार्जन कराकर पुस्तक प्रकाशित की जा रही है।

इस पुस्तक के निर्माण में और छात्रों के द्वारा व्यवहार करवाने में जो समस्याएँ आईं उसका समाधान किया गया है । उसके बाद जो परिणाम सामने आए उन कसौटियों पर मैंने लेखकों और सम्बन्धित व्यक्तियों से परामर्श किया है। इस कार्य में लेखकों तथा सम्बन्धित सज्जनों ने जो सहयोग दिया है उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ ।

इस पुस्तक को और भी उत्कृष्ट बनाने के लिए जो भी सुझाव सुधीजनों की तरफ से आएंगे उनका सादर स्वागत किया जाएगा। अत: रचनात्मक सुझाव और परिमार्जन के लिए विद्वज्जन अपना सहयोग प्रदान करें ।

— डा: चिथूं मेरी थोमास
सचिव

ध्यान देना आवश्यक है। इसी प्रकार लेखन सिखाने के क्रम में रेखाओं की विविध आकृतियाँ बनाना सिखाना और लिपि-चिह्नों के परम्परागत क्रम के स्थान पर व्यावहारिक क्रम पर ध्यान देना अनिवार्य है।

प्रस्तुत सामग्री का निर्माण यथासंभव बाल-मनोविज्ञान, आधुनिक शिक्षण-सुविधाओं, व्यावहारिक संभावनाओं और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के सहारे किया गया है। फिर भी लेखक-मण्डल सम्पूर्णता का दावा नहीं कर सकता; अतः अध्यापकों को चाहिए कि वे शिक्षण-क्रम में अपने रचनात्मक विवेक को जाग्रत रखें। यदि उन्हें प्रयोगात्मक स्तर पर कोई नवीन निष्कर्ष प्राप्त हो तो लेखक-मण्डल को उससे परिचित कराने में संकोच अनुभव न करें। स्तरीय-शिक्षा को संभव बनाने के लिए सभी को मिल कर काम करना होगा।

—लेखक मण्डल

पुनर्विलोकन व परिशोधन - कर्ता

खाडेम्बम तोमचौ सिंह
क्षेत्रिमयुम प्रमिला देवी

अन्तिम निर्णायक

इबोहल सिंह काङ्जम

सीखने के प्रतिफल

कक्षा तीन | हिंदी

बच्चे –

- सुनी-पढ़ी रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, राय बताते हैं।
- कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।
- पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उपजी जिज्ञासाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।
- तरह-तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक/लिखित रूप से) देते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ लगाते हैं।
- तरह-तरह की रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे – शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चीजों के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कन्वेंशनल राइटिंग) करते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे- दोस्त को पत्र लिखना) का निर्णय लेते हुए लिखते हैं।
- अलग-अलग उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे – पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

पाठ-सूची

G7Y4Y6

1. पशु-पक्षियों के चित्र (मौखिक) .... 1 - 3
2. कुछ शब्द (मौखिक) .... 4 - 7
3. यह — है (मौखिक) .... 8 - 13
4. यह — है/वह — है (मौखिक) .... 14 - 19
5. यह — हैं/ये—हैं (मौखिक) .... 20 - 26
6. वह — है/वे — हैं (मौखिक) .... 27 - 32
7. वह/वे+क्रिया/वह/वे+कर्म+क्रिया (मौखिक) .... 33 - 38
8. मैं — हूँ/हम — हैं (मौखिक) .... 39 - 43
9. मैं/हम+क्रिया/मैं/हम+कर्म+क्रिया (मौखिक) .... 44 - 48
10. तू , तुम, आप (मौखिक) .... 49 - 53
11. तू/तुम/आप+क्रिया/तू/तुम/आप+कर्म+क्रिया (मौखिक) .... 54 - 60
12. क्या (मौखिक) .... 61 - 69
13. कौन (मौखिक) .... 70 - 75
14. आज्ञार्थक वाक्य (मौखिक) .... 76 - 80
15. एक से बीस तक की गिनती (मौखिक) .... 81 - 86
16. स्वर-वर्ण .... 7 - 89
17. व्यंजन-वर्ण .... 90 - 95
18. मात्राओं की पहचान (कथन शैली) .... 96 - 100
19. था/थे/थी/थीं (कथन शैली) .... 101 - 104
20. ऊँगा/एगा/ओगे/एँगे (कथन शैली) .... 105 - 108
21. आग्रह वाचक वाक्य (कथन शैली) .... 109 - 111
22. राष्ट्रीय झण्डा (कथन शैली) .... 112 - 116
23. मणिपुर (कथन शैली) .... 117 - 121
24. एक से सौ तक (गिनतियाँ) .... 122 - 128

DIKSHA	**HOW TO DOWNLOAD DIKSHA APP**
	OPTION 1: Type diksha.gov.in/app in your mobile browser. **OPTION 2:** Search for **DIKSHA NCTE** in Google playstore and tap on download button.

HOW TO ACCESS DIGITAL CONTENT USING QR CODE ON MOBILE

Launch Diksha App | Allow app permissions | Select appropriate user profile

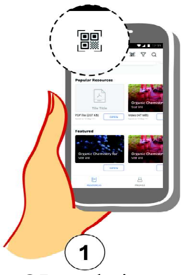

Tap the QR code icon to scan QR codes in the textbook

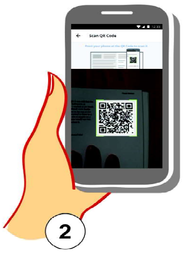

Point the device and focus on the QR code

On successful scan, content linked to the QR code are listed

HOW TO ACCESS DIGITAL CONTENT USING QR CODE ON DESKTOP

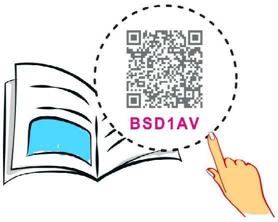

1 Under the QR code there would be 6 digit code

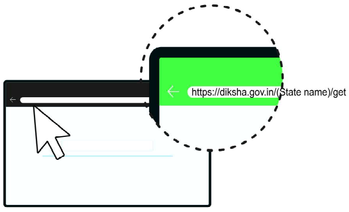

2 Type diksha.gov.in/MN/get in your browser

3 Type the 6 digit QR code in the search bar

4 View list of content available & click on any new content

पाठ – एक

C4G1M6

पशु-पक्षियों के चित्र

(मौखिक)

शब्द —

बिल्ली, कुत्ता, गाय, भैंस, घोड़ा, बकरी, मुर्गा, बतख, हंस, कबूतर, तोता, मैना, सूअर, खरगोश, बाघ, कौवा, बगुला, मोर।

घरेलू पशुओं के चित्र

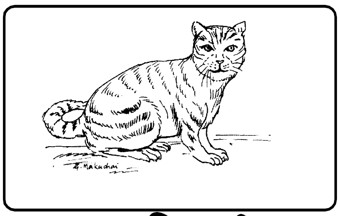

बिल्ली

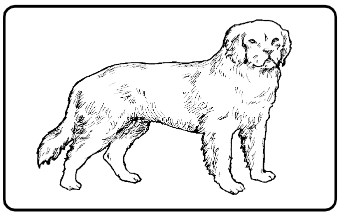

कुत्ता

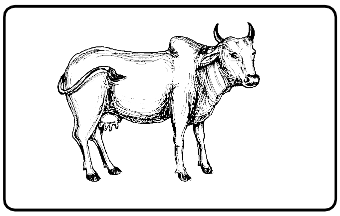

गाय

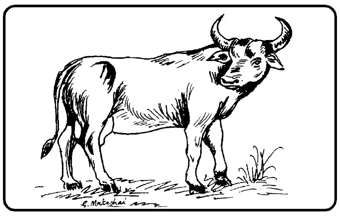

भैंस

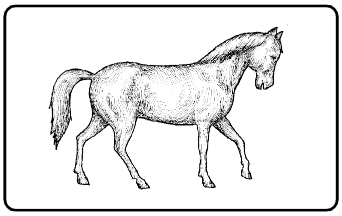

घोड़ा

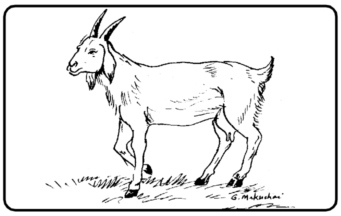

बकरी

अध्यापन-संकेत —

इस पृष्ठ पर कुछ घरेलू पशुओं के चित्र दिए गए हैं। छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाई जाएगी और अध्यापक स्वयं बोलेगा — 'बिल्ली'। छात्रों से भी बुलवाया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर बुलवाया जाएगा। छात्रों से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। अभ्यास कभी व्यक्तिगत, कभी सामूहिक रूप से कराया जाएगा। यह अभ्यास तब तक कराया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पशु के नाम से परिचित न हो जाएँ।

घरेलू पक्षियों के चित्र

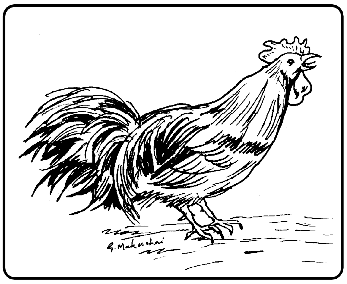

मुर्गा

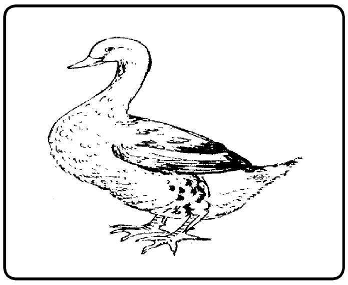

बतख

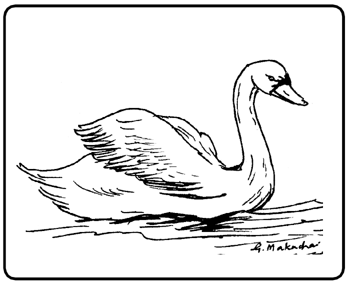

हंस

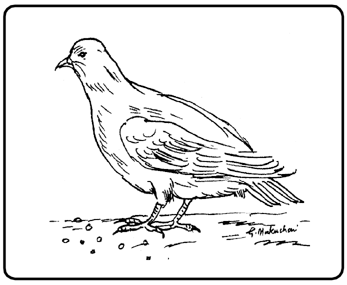

कबूतर

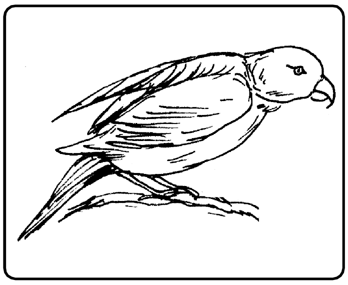

तोता

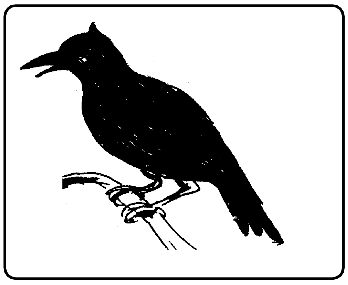

मैना

अध्यापन-संकेत —

इस पृष्ठ पर कुछ घरेलू पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर अध्यापक स्वयं बोलेगा – 'मुर्गा'। छात्रों से भी बुलवाया जाएगा। इसी प्रकार प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर बुलवाया जाएगा। छात्रों से बार-बार बुलवाकर अभ्यास कराया जाएगा। अभ्यास कभी व्यक्तिगत, कभी सामूहिक रूप से कराया जाएगा। यह अभ्यास तब तक कराया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पक्षी के नाम से परिचित न हो जाएँ।

अन्य पशु-पक्षियों के चित्र

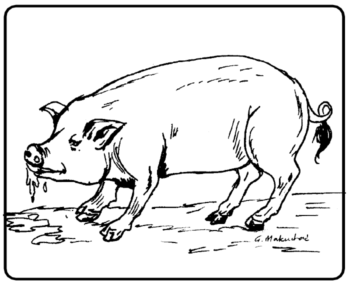

सूअर

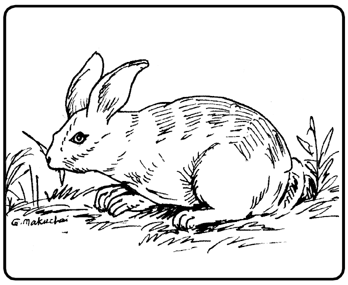

खरगोश

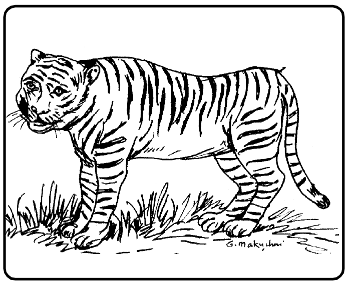

बाघ

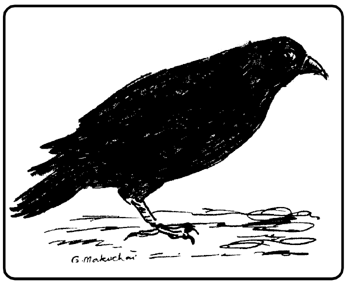

कौवा

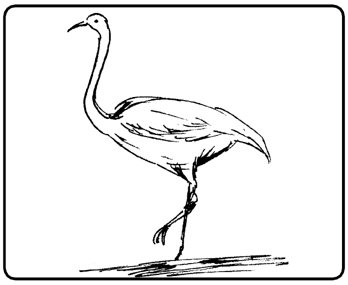

बगुला

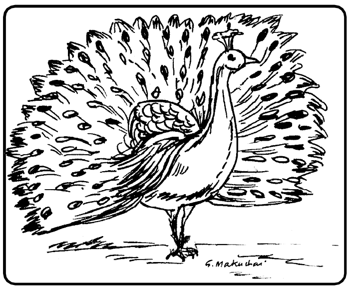

मोर

अध्यापन-संकेत :–

इस पृष्ठ पर कुछ पशु-पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। अध्यापक छात्रों से प्रत्येक चित्र के नीचे अंगुली रखवाकर चित्र में अंकित पशु या पक्षी का नाम बुलवाएगा। प्रत्येक छात्र से बार-बार अभ्यास करवाया जाएगा। यह अभ्यास तब तक करवाया जाएगा, जब तक सभी छात्र प्रत्येक पशु/पक्षी के नाम से परिचित न हो जाएँ।

पाठ – दो

F3L8T5

कुछ शब्द

(मौखिक)

कल	काल	कुल
नकल	अकल	सकल
तक	हक	थक
चल	चाल	चील
बचत	मचान	पचास
सच	पंच	कूच
नल	नाम	नीम
अनल	अनिल	सलिल
तन	मन	धन
पल	पान	पीक
चपल	तपन	ऊपर
माप	ताप	छाप

बल	**बस**	**बम**
खबर	**रबड़**	**कबर**
जब	**तब**	**कब**

लात	**लाख**	**लाभ**
कलम	**चलन**	**सलाम**
जल	**हल**	**मल**

अध्यापन-संकेत :– इस पाठ में बिना चित्र के कुछ शब्द दिए गए हैं। अध्यापक इन शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़कर छात्रों को सुनाएगा और उनसे साथ-साथ बोलने के लिए कहेगा। इस पाठ का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी का शुद्ध उच्चारण सुनने और बोलने की आदत डालना तथा उनमें हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इन शब्दों का उच्चारण-अभ्यास बार-बार कराया जाएगा।

इस पाठ के साथ नागरी लिपि-लेखन में प्रयुक्त निम्नांकित चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

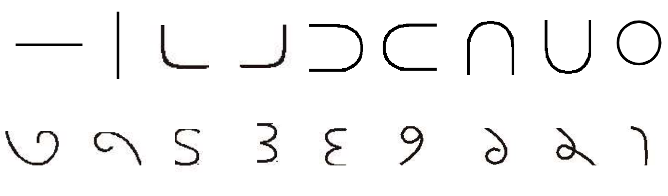

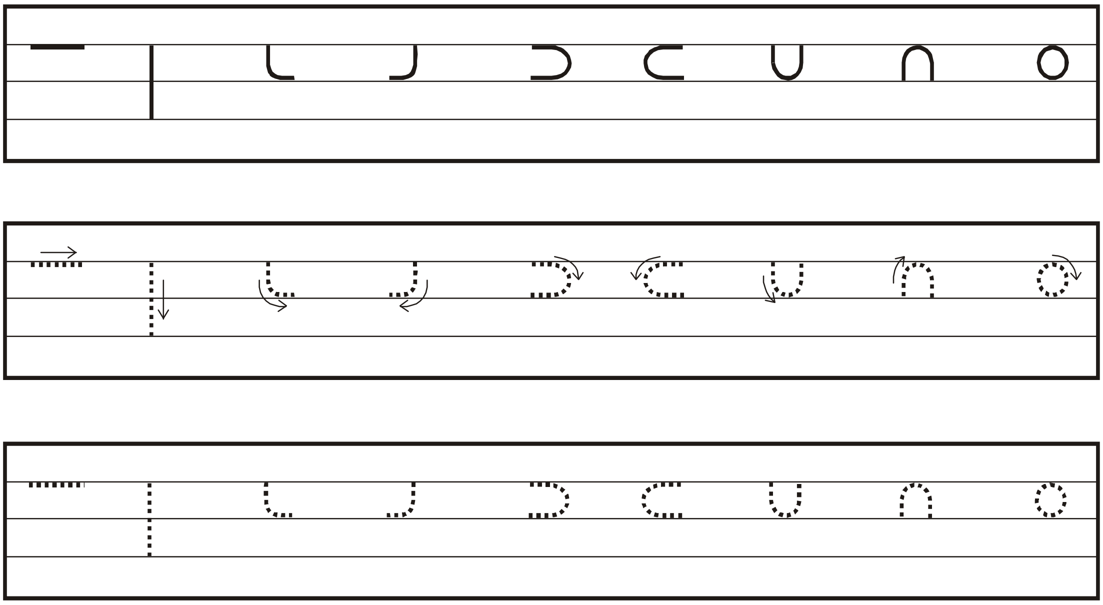

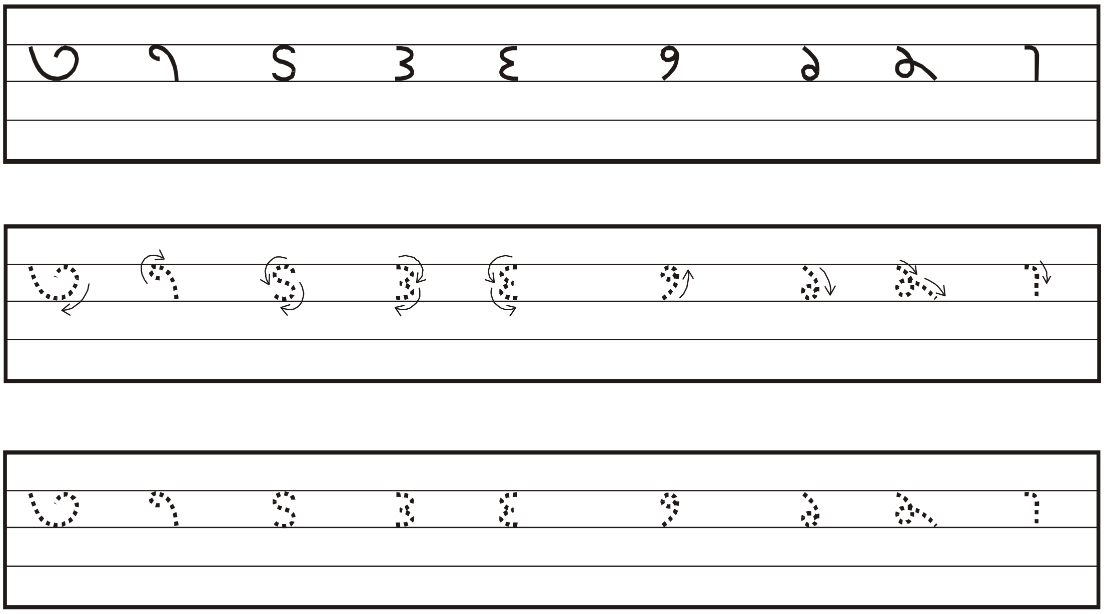

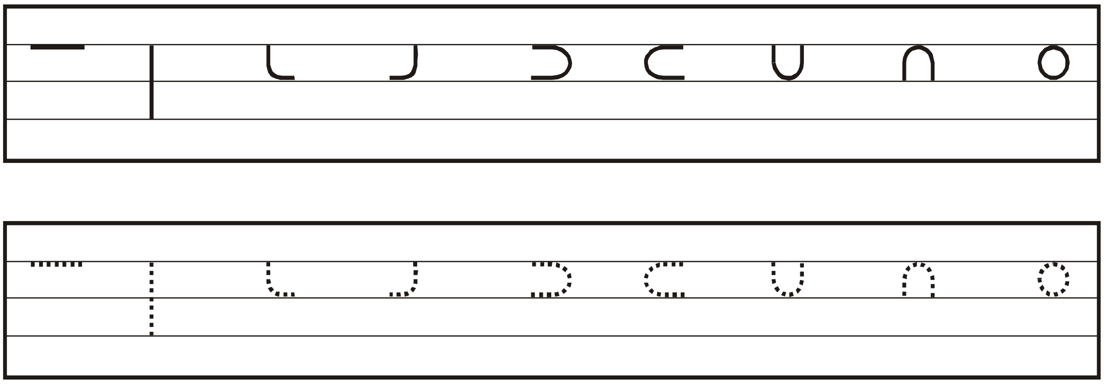

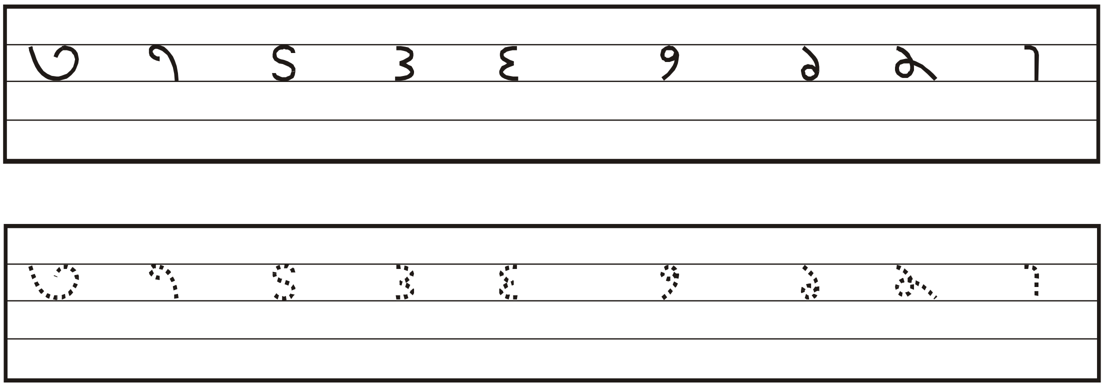

पाठ – तीन

E9L2X3

यह – है

(मौखिक)

नए शब्द —

यह, है, आम, घर, हाथ, कान, नाक, कलम, पुस्तक, मछली, हाथी।

यह बिल्ली है। ☞

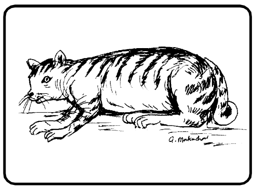

यह कुत्ता है। ☞

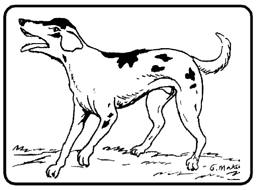

यह बकरी है। ☞

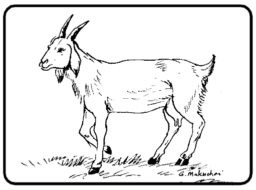

यह मुर्गा है। ☞

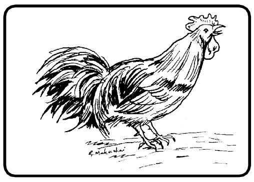

यह कबूतर है। ☞

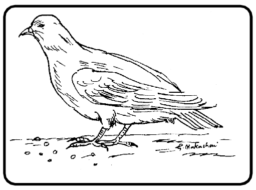

यह तोता है। ☞

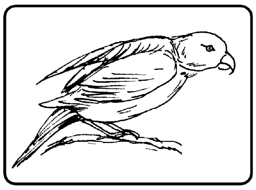

यह बाघ है। ☞

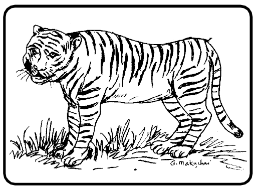

यह कौवा है। ☞

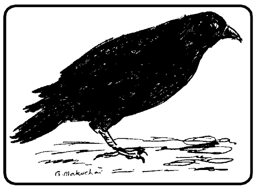

यह मोर है। ☞

यह आम है। ☞ 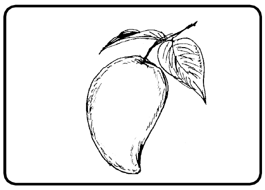

यह घर है। ☞ 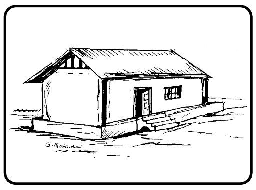

यह हाथ है। ☞ 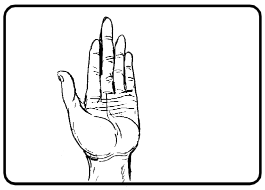

यह कान है। ☞ 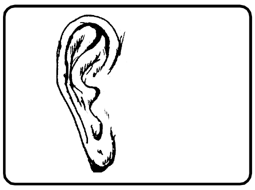

यह नाक है। ☞ 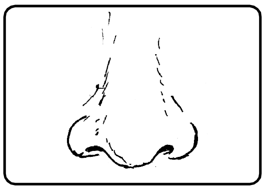

यह कलम है। ☞ 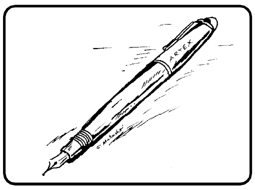

यह पुस्तक है। ☞ 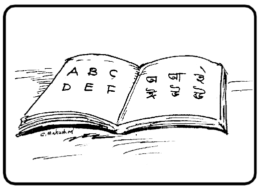

यह मछली है। ☞ 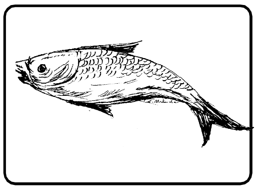

यह हाथी है। ☞ 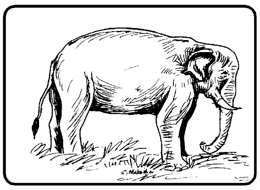

प्रश्न-अभ्यास

1. बोलो :–

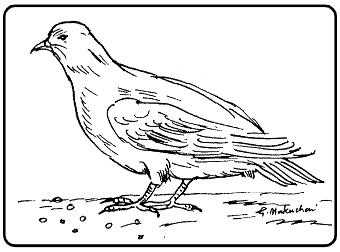

कबूतर

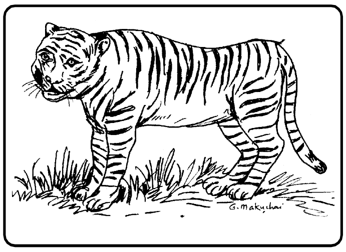

बाघ

आम

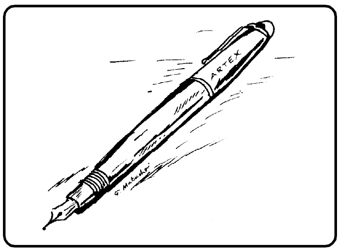

कलम

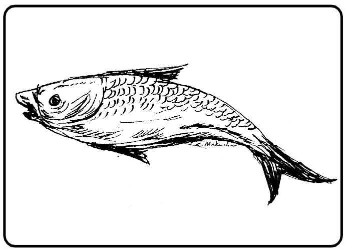

मछली

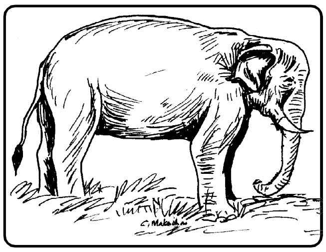

हाथी

2. वाक्य में बोलो :—

प्रश्न-अभ्यास 1 के चित्रों को देख कर

3. सुनो और वाक्य पूरे करो —

(क) यह......................है।

(ख) यह ....है।

(ग) ....पुस्तक है।

(घ) .... है।

(ङ) यह मोर ....।

(च) यह ....।

(छ) ....घर .... ।

अध्यापन-संकेत :-

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से छात्रों को बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक एक-एक चित्र को दिखाएगा और छात्रों से शब्दों में बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक फिर एक-एक चित्र को दिखाएगा और छात्रों से वाक्यों में बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक एक-एक अधूरा वाक्य बोलेगा और बाद में छात्रों से उन वाक्यों को पूरा करने के लिए कहेगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

र स य थ

र र स स य य थ थ

र र स स य य थ थ

र र स स य य थ थ

रसयथ रसयथ रसयथ

रसयथ रसयथ रसयथ

रस रथ सरस साथ सास

रस रथ सरस साथ सास

यार सार यस राय यथा

यार सार यस राय यथा

पाठ – चार

W3Q6U1

यह—है/वह—है

(मौखिक)

नए शब्द —

फल, फूल, बैल, ढोलक, छतरी, भालू, ऐनक, घड़ा, जूता, दरवाजा, खिड़की, वह।

यह बतख है। ☞ 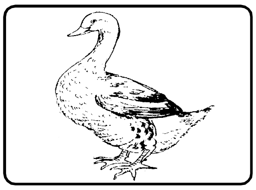

यह हंस है। ☞ 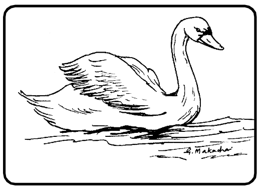

यह बाघ है। ☞ 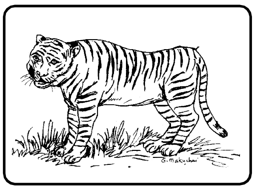

यह घोड़ा है। ☞ 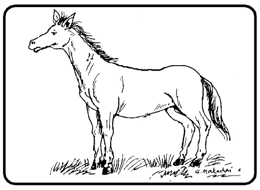

यह फल है। ☞ 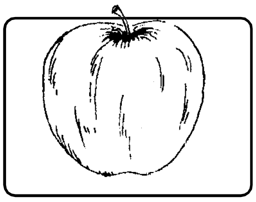

यह फूल है। ☞

वह कलम है। ☞ 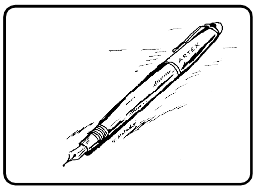

वह घर है। ☞ 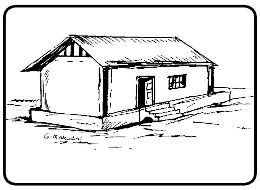

वह हाथी है। ☞

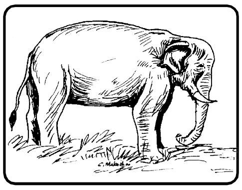

वह बैल है। ☞

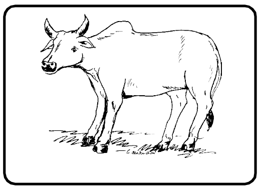

वह ढोलक है। ☞

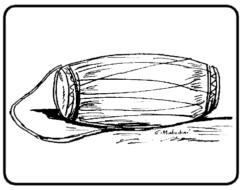

वह आम है। ☞

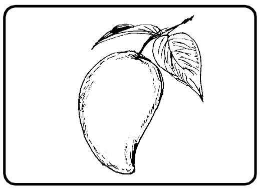

वह छतरी है। ☞

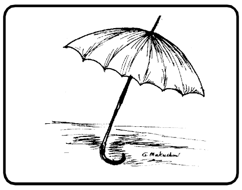

वह भालू है। ☞

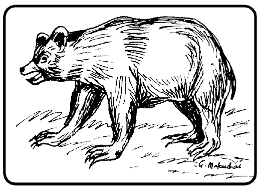

यह मछली है। ☞

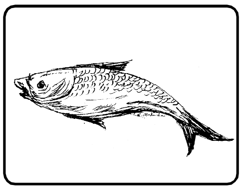

वह मछली है। ☞

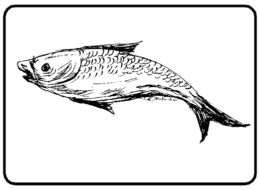

यह पुस्तक है। ☞

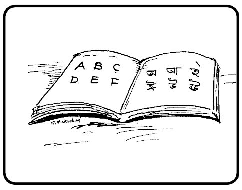

वह पुस्तक है। ☞

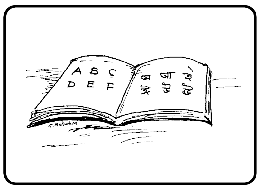

यह ऐनक है। ☞

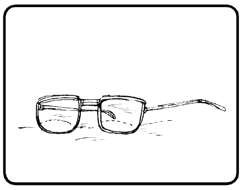

वह ऐनक है। ☞

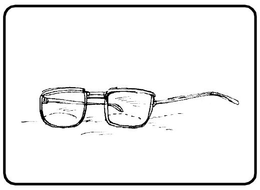

यह घड़ा है। ☞ 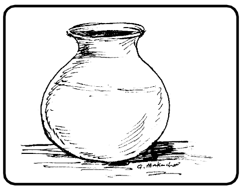 वह घड़ा है। ☞ 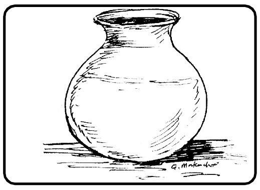

यह जूता है। ☞ वह जूता है। ☞

यह दरवाजा है। ☞ 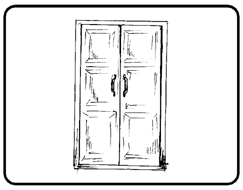 वह दरवाजा है। ☞ 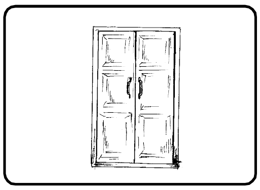

यह खिड़की है। ☞ 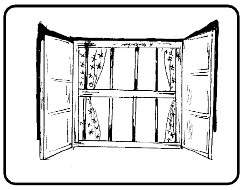 वह खिड़की है। ☞ 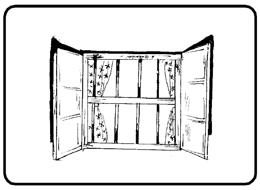

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो और बोलो —**

   बैल, गाय, मोर, मैना, ढोलक, घड़ा, ऐनक, कलम।

2. **'यह' और 'है' के साथ वाक्य में बोलो —**

   मछली, भालू, खिड़की, जूता, पुस्तक

3. **'वह' और 'है' के साथ वाक्य में बोलो —**

   हंस, बाघ, घोड़ा, दरवाजा, फूल।

4. **वाक्यों में बोलो —**

   (एक-एक वस्तु या चित्र को निकट दिखाकर)

   पुस्तक, कलम, फूल, फल, ऐनक।

5. **वाक्यों में बोलो —**

(एक-एक वस्तु या चित्र को कुछ दूर दिखा कर)

पुस्तक, कलम, फूल, फल, ऐनक।

अध्यापन-संकेत :–

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा —

अभ्यास 1 — दिए गए शब्दों को अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ बोलेगा और छात्रों से भी बोलने के लिए कहेगा। अध्यापक तत्काल छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियाँ सुधारेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेगा और छात्रों से 'यह' और 'है' के साथ बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेगा और छात्रों से 'वह' और 'है' के साथ बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक एक-एक वस्तु या चित्र छात्रों के निकट ले जाएगा और वाक्यों में बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 5 — अध्यापक वही वस्तु या चित्र दूर दिखा कर फिर वाक्यों में बोलने के लिए कहेगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

श ए ऐ

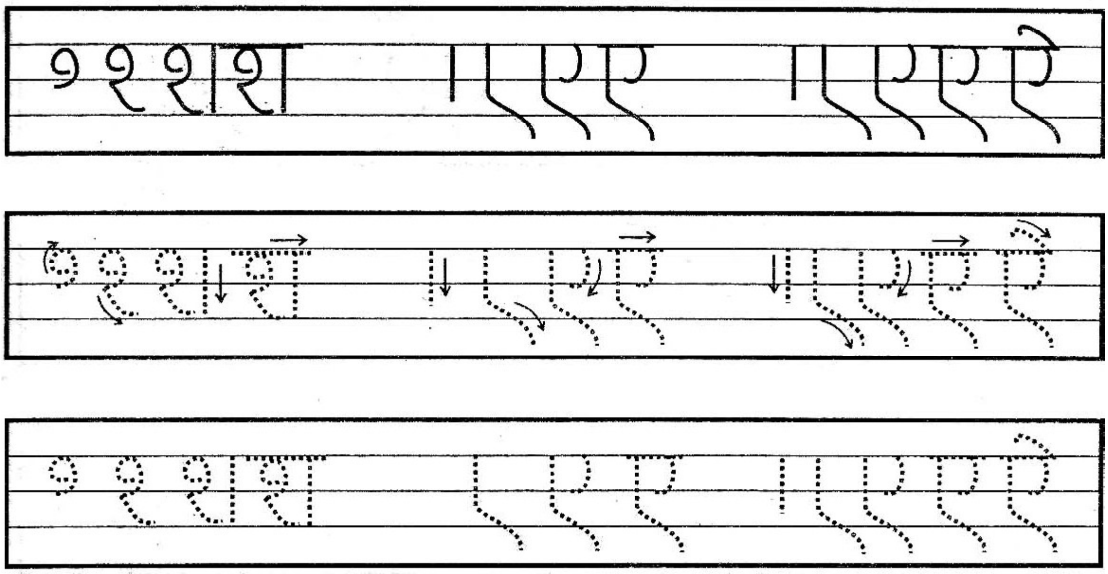
श ए ऐ

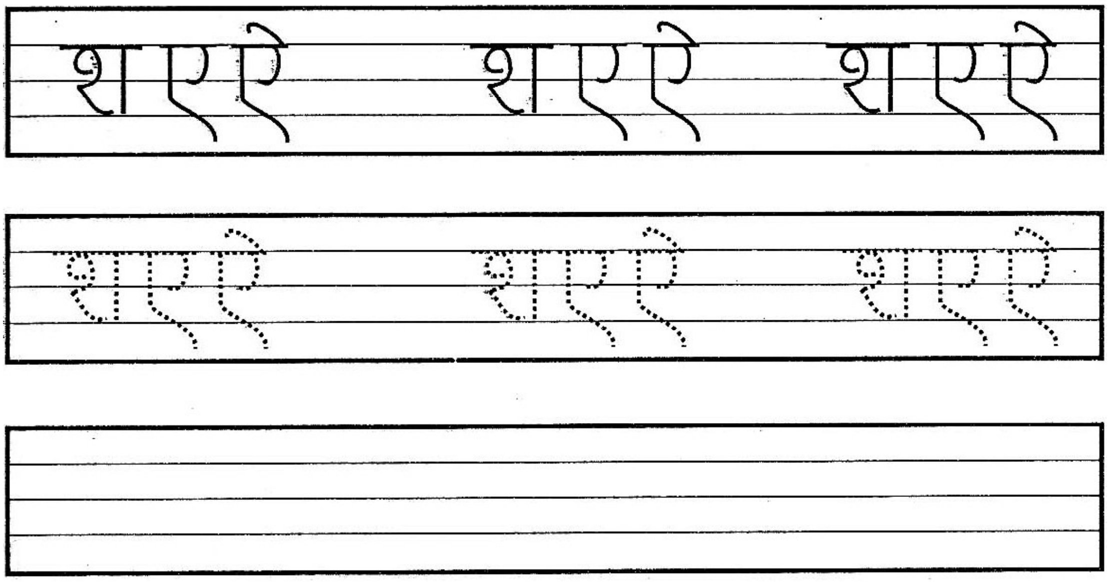
श ए ऐ श ए ऐ श ए ऐ

एयए यश शार ऐश ऐसा

एयए यश शार ऐश ऐसा

यश शार ऐश एयए ऐसा

यश शार ऐश एयए ऐसा

पाठ – पाँच

यह—है / ये—हैं

(मौखिक)

नए शब्द —
ये, लड़का, आँख, घड़ी, चिड़िया, लड़की, महिला, माला, बालिका, हैं।

यह घर है। ☞ 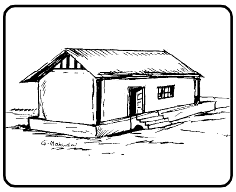 ये घर हैं। ☞ 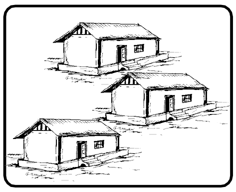

यह हाथ है। ☞ 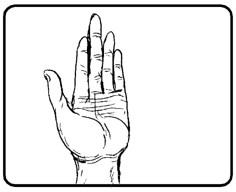 ये हाथ हैं। ☞ 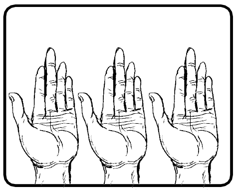

यह फल है। ☞ 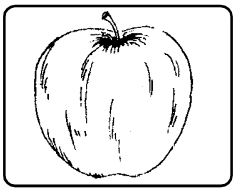 ये फल हैं। ☞ 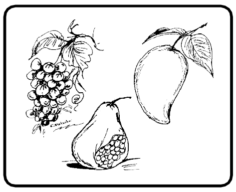

यह दरवाज़ा है। ☞ 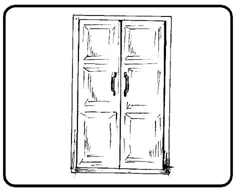 ये दरवाज़े हैं। ☞ 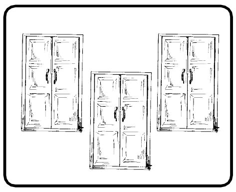

यह घड़ा है। ☞ 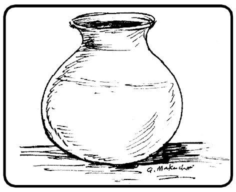

ये घड़े हैं। ☞ 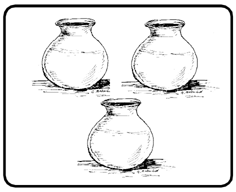

यह लड़का है। ☞ 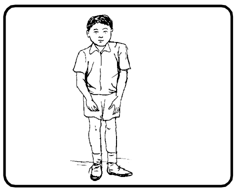

ये लड़के हैं। ☞ 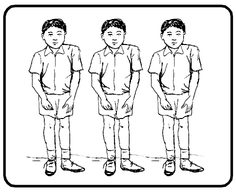

यह गाय है। ☞ 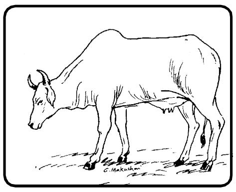

ये गायें हैं। ☞ 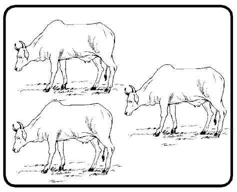

यह पुस्तक है। ☞ 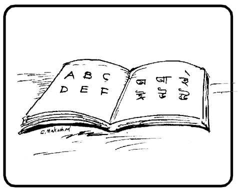

ये पुस्तकें हैं। ☞ 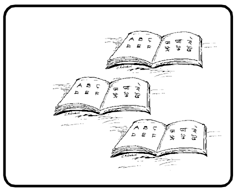

यह आँख है। ☞ 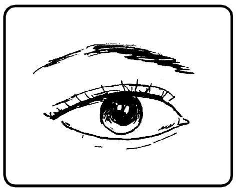

ये आँखें हैं। ☞ 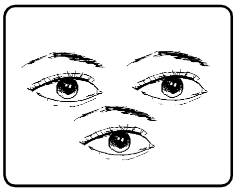

यह घड़ी है। ☞ 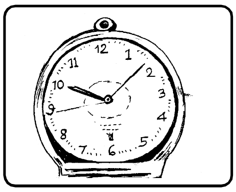

ये घड़ियाँ हैं। ☞ 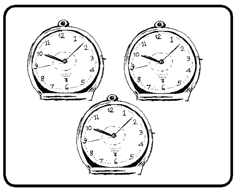

यह लड़की है। ☞

ये लड़कियाँ हैं। ☞ 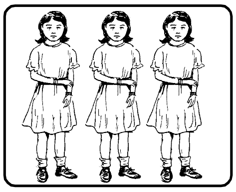

यह माला है। ☞ 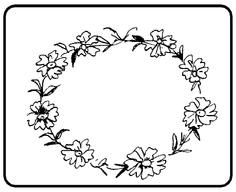

ये मालाएँ हैं। ☞ 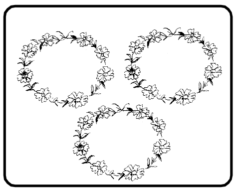

यह महिला है। ☞

ये महिलाएँ हैं। ☞

यह बालिका है। ☞ 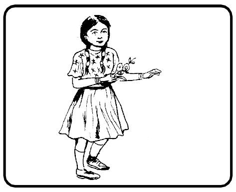

ये बालिकाएँ हैं। ☞ 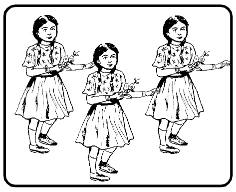

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

यह — ये
घड़ा — घड़े
लड़का — लड़के
गाय — गायें
पुस्तक — पुस्तकें
घड़ी — घड़ियाँ
चिड़िया — चिड़ियाँ
माला — मालाएँ
महिला — महिलाएँ

2. **देखो और वाक्य में बोलो :—**

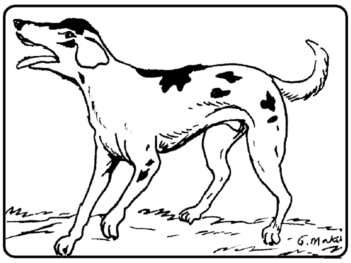
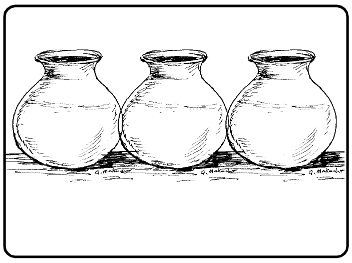
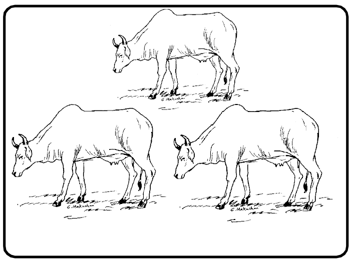
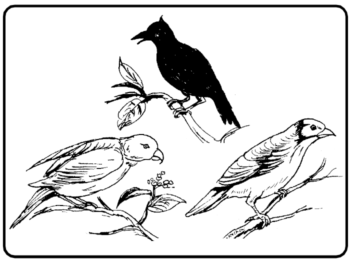
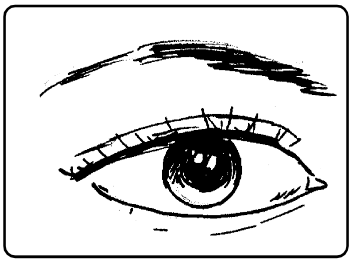
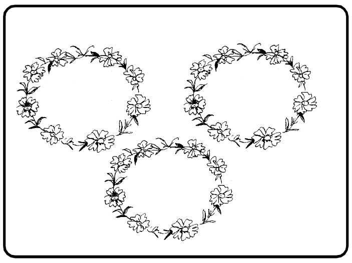

3. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

(क) यह   है।
(ख) ये ··················हैं।
(ग) ·············· पुस्तकें ··············।
(घ) ··············· फल हैं।
(ङ) ये हाथ ··················
(च) ·············· कौवा ···············

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

इस : ईश,   इमाम : ईमान,   कि : की,   चिर : चीर
तिस : तीस,   दिन : दीन,   मिल : मील,   आदि : आदी।

अध्यापन-संकेत —

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — छात्रों से चित्रों को देख कर वाक्यों में बोलने के लिए कहा जाएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्‌ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ग म भ न

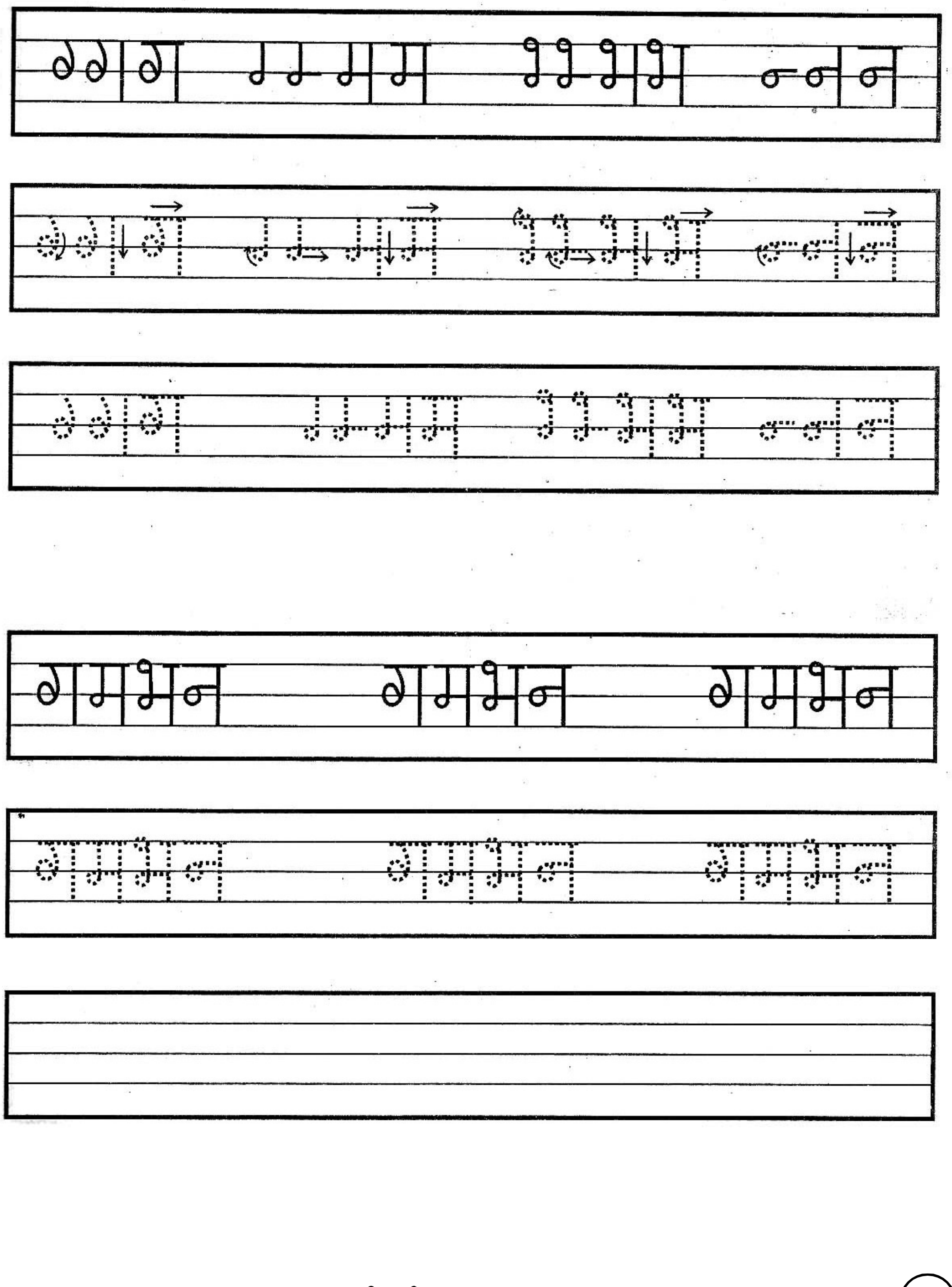
ग म भ न
ग म भ न
ग म भ न

गाय गरम नाम मगन भय

गाय गरम नाम मगन भय

नया गाना भाग भामा मामा

नया गाना भाग भामा मामा

पाठ – छह

वह—है/वे—हैं

(मौखिक)

> ***नए शब्द —***
> **वे, चरखा, किताब, और।**

वह ढोलक है। ☞ 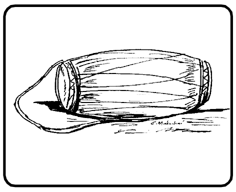

वे ढोलक हैं। ☞ 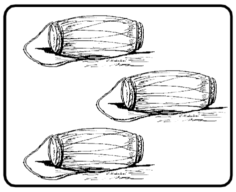

वह कबूतर है। ☞ 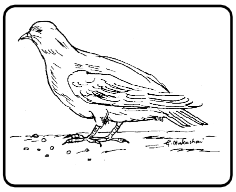

वे कबूतर हैं। ☞ 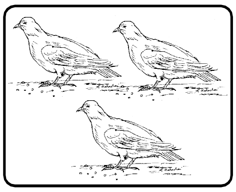

वह चरखा है। ☞ 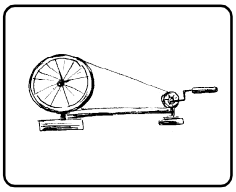

वे चरखे हैं। ☞ 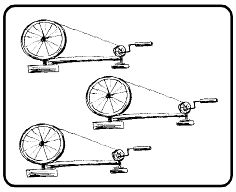

वह जूता है। ☞ 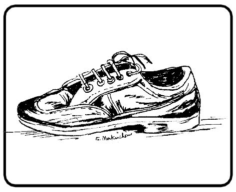

वे जूते हैं। ☞ 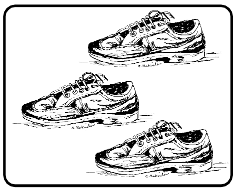

वह किताब है। ☞ 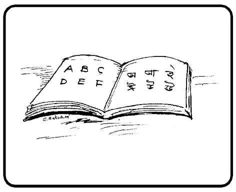

वे किताबें हैं। ☞ 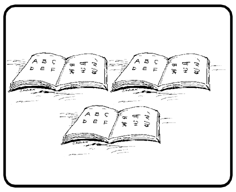

वह आँख है। ☞ 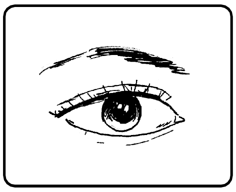

वे आँखें हैं। ☞

वह छतरी है। ☞ 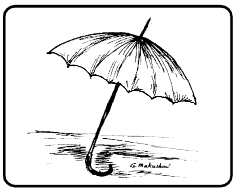

वे छतरियाँ हैं। ☞ 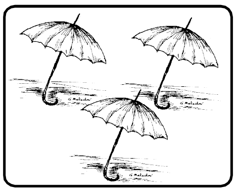

वह मछली है। ☞ 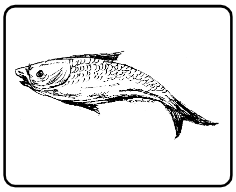

वे मछलियाँ हैं। ☞ 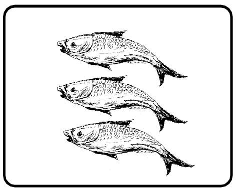

वह बालिका है। ☞ 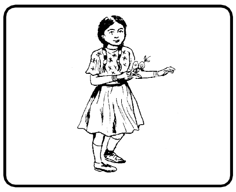

वे बालिकाएँ हैं। ☞ 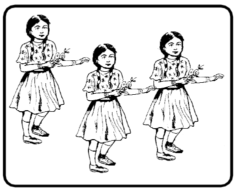

वह पौजारुङ् है। ☞ 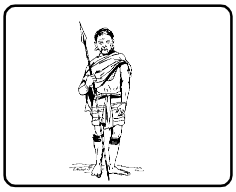

वे तोम्बा और
सलाम हैं। ☞ 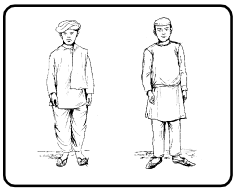

वह नूरजहाँ है। ☞

वे चाओबी और
थरमिला हैं। ☞ 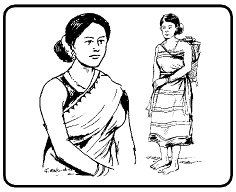

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

वह	—	वे
जूता	—	जूते
तोता	—	तोते
किताब	—	किताबें
कलम	—	कलमें
बकरी	—	बकरियाँ
मछली	—	मछलियाँ
बालिका	—	बालिकाएँ

2. **देखो और 'वह/वे' तथा 'है/हैं' के साथ बोलो :—**

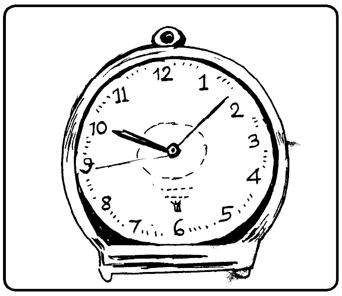
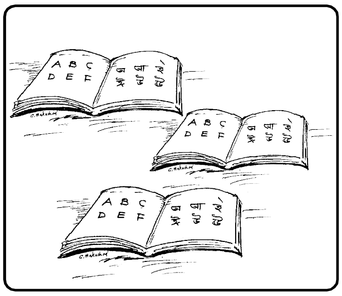
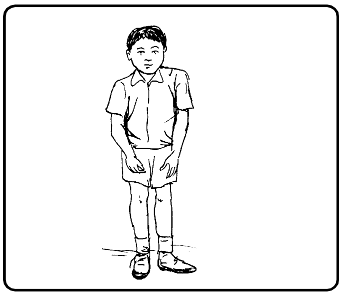
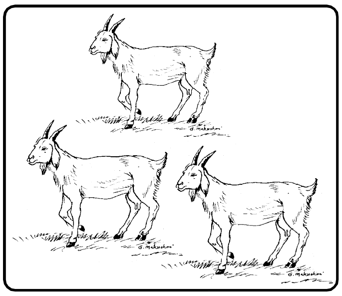
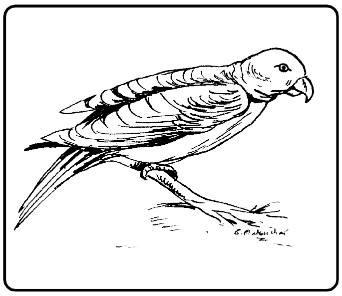
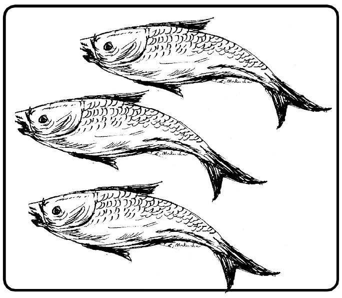

3. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

(क) वह ______________ है।

(ख) वे ______________ हैं।

(ग) ________ ____________ हैं।

(घ) वे ____________ ________ ।

(ङ) ________ महिलाएँ ________ ।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

उन : ऊन,	कुल : कूल,	चुल : चूल
पुर : पूर,	सुर : सूर,	बहुत : कपूत

अध्यापन-संकेत —

पहले दिन पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। दूसरे दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — चित्रों को देखकर वाक्यों में बोलने के लिए छात्रों से कहा जाएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों में दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

प फ ष ण

प प फ फ प ष ष ग

प प फ फ प ष ष ग

प प फ फ प ष ष ग

प फ ष ग   प फ ष ग   प फ ष ग

प फ ष ग   प फ ष ग   प फ ष ग

पार माफ पाषाण साफ पर

पार माफ पाषाण साफ पर

नाप फन पाषाण रण माफ

नाप फन पाषाण रण माफ

पाठ – सात

Q4M4C5

वह/वे+क्रिया / वह/वे+कर्म+क्रिया

(मौखिक)

नए शब्द —

जाना, आना, बैठना, उठना, रोना, करना, पीना, खाना, सुनना, पढ़ना, काम, पानी, गाना।

वह जाता है।	वे जाते हैं।
वह आता है।	वे आते हैं।
वह बैठता है।	वे बैठते हैं।
वह उठता है।	वे उठते हैं।
वह रोता है।	वे रोते हैं।
वह जाती है।	वे जाती हैं।
वह आती है।	वे आती हैं।
वह बैठती है।	वे बैठती हैं।
वह उठती है।	वे उठती हैं।
वह रोती है।	वे रोती हैं।
वह करता है।	वे करते हैं।
वह पीता है।	वे पीते हैं।
वह खाता है।	वे खाते हैं।
वह सुनता है।	वे सुनते हैं।
वह पढ़ता है।	वे पढ़ते हैं।

वह करती है।	वे करती हैं।
वह पीती है।	वे पीती हैं।
वह खाती है।	वे खाती हैं।
वह सुनती है।	वे सुनती हैं।
वह पढ़ती है।	वे पढ़ती हैं।

वह काम करता है।	वे काम करते हैं।
वह काम करती है।	वे काम करती हैं।
वह पानी पीता है।	वे पानी पीते हैं।
वह पानी पीती है।	वे पानी पीती हैं।
वह फल खाता है।	वे फल खाते हैं।
वह फल खाती है।	वे फल खाती हैं।
वह गाना सुनता है।	वे गाना सुनते हैं।
वह गाना सुनती है।	वे गाना सुनती हैं।
वह पुस्तक पढ़ता है।	वे पुस्तक पढ़ते हैं।
वह पुस्तक पढ़ती है।	वे पुस्तक पढ़ती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

जाता है — जाते हैं	जाती है — जाती हैं
उठता है — उठते हैं	उठती है — उठती हैं
रोता है — रोते हैं	रोती है — रोती हैं
करता है — करते हैं	करती है — करती हैं
खाता है — खाते हैं	खाती है — खाती हैं

पढ़ता है — पढ़ते हैं	पढ़ती है — पढ़ती हैं
सुनता है — सुनते हैं	सुनती है — सुंनती हैं

2. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

(क) वह आता ··········

(ख) ··········जाती है।

(ग) वे रोते ··········

(घ) ··········उठती हैं।

(ङ) वह गाना सुनता ··········

(च) ··········काम करते ··········

(छ) वे आम ·········· ········।

(ज) ··········पुस्तक ··········हैं।

(झ) ··········पानी पीती ··········।

3. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

के : कै, में : मैं, देव : दैव, मेल : मैल
बेर : बैर, सेर : सैर, मेला : मैला

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री का इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे — पहले अध्यापक पुल्लिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों को बोलेगा और छात्रों को उन वाक्यों का अभ्यास कराएगा। बाद में स्त्रीलिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों को बोलेगा और छात्रों को उन वाक्यों का अभ्यास कराएगा। इस प्रकार पुल्लिंग सकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों, स्त्रीलिंग सकर्मक क्रिया युक्त वाक्यों एवं कर्मयुक्त वाक्यों का अभ्यास क्रम से कराया जाएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया

जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से उन्हें पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्‍ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से उनका शुद्‍ध उच्चारण करने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का तत्काल सुधार किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

व क ब ख

व क ब ख

व क ब ख

व क ब ख

व क ब ख व क ब ख व क ब ख

व क ब ख व क ब ख व क ब ख

कब वर राख नाव ख्वाब

कब वर राख नाव ख्वाब

कमरा खाना बार वार कब

कमरा खाना बार वार कब

पाठ – आठ

K6C6Z5

मैं – हूँ/हम – हैं

(मौखिक)

नए शब्द —

मैं, हम, हूँ, पुत्र, पुत्री, लड़की, बच्चा, बच्ची, छात्र, छात्रा, पिता, माँ, बीमार, डाक्टर, अध्यापक, अध्यापिका

मैं पुत्र हूँ।	हम पुत्र हैं।
मैं पुत्री हूँ।	हम पुत्रियाँ हैं।
मैं लड़का हूँ।	हम लड़के हैं।
मैं लड़की हूँ।	हम लड़कियाँ हैं।
मैं बच्चा हूँ।	हम बच्चे हैं।
मैं बच्ची हूँ।	हम बच्चियाँ हैं।
मैं छात्र हूँ।	हम छात्र हैं।
मैं छात्रा हूँ।	हम छात्राएँ हैं।
मैं पिता हूँ।	हम पिता हैं।
मैं माँ हूँ।	हम माँ हैं।
मैं बीमार हूँ।	हम बीमार हैं।
मैं डाक्टर हूँ।	हम डाक्टर हैं।
मैं अध्यापक हूँ।	हम अध्यापक हैं।
मैं अध्यापिका हूँ।	हम अध्यापिकाएँ हैं।
मैं अमुबा हूँ।	हम थाङ्खनलाल और डेविद हैं।
मैं सलमा हूँ।	हम तमुबी और नैकिम हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

मैं —— हूँ।	हम —— हैं।
मैं पुत्र हूँ।	हम पुत्र हैं।
मैं लड़का हूँ।	हम लड़के हैं।
मैं बच्ची हूँ।	हम बच्चियाँ हैं।
मैं छात्रा हूँ।	हम छात्राएँ हैं।
मैं माँ हूँ।	हम माँ हैं।
मैं डाक्टर हूँ।	हम डाक्टर हैं।
मैं अध्यापिका हूँ।	हम अध्यापिकाएँ हैं।

2. **सुनो और ''मैं/हम'' के साथ वाक्यों में बोलो :—**

   लड़का, बालिका, लड़कियाँ, पिता, महिलाएँ, बच्चे, अध्यापक।

3. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

   (क) मैं ....हूँ।
   (ख) हम ....हैं।
   (ग) .... पुत्री ....
   (घ) .... हैं।
   (ङ) ....बच्चे ....।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

   ओर : और, जो : जौ, कोर : कौर, चोक : चौक
   मोर : मौर, बोना : बौना, लो : लौ, सो : सा

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री के माध्यम से बार-बार अभ्यास कराया जाएगा। अध्यापक एक-एक वाक्य को पहले बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं एक-एक वाक्य को बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक शब्द को बोलेगा और उन्हें वाक्य में बोलने के लिए छात्रों से कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ट ढ ढ़ द ठ

ट ट ड ड ड़ ड़ ढ ढ ढ ठ ठ

ट ट ड ड ड़ ड़ ढ ढ ढ ठ ठ

ट ट ड ड ड़ ड़ ढ ढ ढ ठ ठ

ट ड ड़ ढ ठ ट ड ड़ ढ ठ

ट ड ड़ ढ ठ ट ड ड़ ढ ठ

काट काठ टमाटर बाढ़

काट काठ टमाटर बाढ़

ढारस ढास गढ़ ढाम ठठेरा

ढारस ढास गढ़ ढाम ठठेरा

पाठ – नौ

Z1B3Q4

मैं/हम+क्रिया/मैं/हम+कर्म+क्रिया

(मौखिक)

नए शब्द —

सोना, हँसना, घूमना, लिखना।

मैं जाता हूँ।	हम जाते हैं।
मैं सोता हूँ।	हम सोते हैं।
मैं हँसता हूँ।	हम हँसते हैं।
मैं घूमता हूँ।	हम घूमते हैं।
मैं जाती हूँ।	हम जाती हैं।
मैं सोती हूँ।	हम सोती हैं।
मैं हँसती हूँ।	हम हँसती हैं।
मैं घूमती हूँ।	हम घूमती हैं।
मैं करता हूँ।	हम करते हैं।
मैं करती हूँ।	हम करती हैं।
मैं गाता हूँ।	हम गाते हैं।
मैं गाती हूँ।	हम गाती हैं।
मैं लिखता हूँ।	हम लिखते हैं।
मैं लिखती हूँ।	हम लिखती हैं।

मैं काम करता हूँ।	हम काम करते हैं।
मैं काम करती हूँ।	हम काम करती हैं।
मैं खाना खाता हूँ।	हम खाना खाते हैं।
मैं खाना खाती हूँ।	हम खाना खाती हैं।
मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।	हम पुस्तक पढ़ते हैं।
मैं पुस्तक पढ़ती हूँ।	हम पुस्तक पढ़ती हैं।
मैं चिट्ठी लिखता हूँ।	हम चिट्ठी लिखते हैं।
मैं चिट्ठी लिखती हूँ।	हम चिट्ठी लिखती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

जाता हूँ	—	जाते हैं	जाती हूँ	—	जाती हैं
रोता हूँ	—	रोते हैं	रोती हूँ	—	रोती हैं
सोता हूँ	—	सोते हैं	सोती हूँ	—	सोती हैं
खाता हूँ	—	खाते हैं	खाती हूँ	—	खाती हैं
पीता हूँ	—	पीते हैं	पीती हूँ	—	पीती हैं
लिखता हूँ	—	लिखते हैं	लिखती हूँ	—	लिखती हैं
पढ़ता हूँ	—	पढ़ते हैं	पढ़ती हूँ	—	पढ़ती हैं

2. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

(क) मैं .... हूँ।
(ख) हम .... हैं।
(ग) मैं .... हूँ ।
(घ) हम फल .... हूँ।
(ङ) .... गाना .... हूँ।
(च) .... किताब .... हूँ।

3. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

बन : वन,	बार : वार,	बात : वात,	बाद : वाद,
जबान : जवान,	बारिश : वारिस,	बासी : वासी	

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास इस प्रकार कराया जाएगा, जैसे — पहले अध्यापक पुल्लिंग अकर्मक क्रिया युक्त वाक्य को बोलेगा और बाद में छात्रों से बुलवा कर अभ्यास कराएगा। इसी प्रकार स्त्रीलिंग अकर्मक क्रिया युक्त, सकर्मक क्रिया युक्त एवं कर्मयुक्त वाक्यों का अभ्यास कराया जाएगा। उसके बात प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के माध्यम से इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहकर अभ्यास कराएगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक प्रत्येक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साय पढ़ेगा और छात्रों से भी उसी प्रकार पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा कहलवा दिया जाएगा। बार-बार अभ्यास कराया जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ह छ घ ध

ढ ढ छ छ घ घ ध ध

ढ ढ छ छ घ घ ध ध

ढछघध ढछघध ढछघध

ढछघध ढछघध ढछघध

हठ छाप घर धारा हम

हठ छाप घर धारा हम

छाया घाट धन छाछ हक

छाया घाट धन छाछ हक

पाठ – दस

S9S5M2

तू, तुम, आप

(मौखिक)

नए शब्द —

तू, तुम, आप, बीमार, मनुष्य, पुरुष, माता, नौकर, मालिक, बहन, भाई।

तू बीमार है।	तुम बीमार हो।	आप बीमार हैं।
तू डाक्टर है।	तुम डाक्टर हो।	आप डाक्टर हैं।
तू मनुष्य है।	तुम मनुष्य हो।	आप मनुष्य हैं।
तू महिला है।	तुम महिला हो।	आप महिला हैं।
तू छात्र है।	तुम छात्र हो।	आप अध्यापक हैं।
तू लड़का है।	तुम लड़का हो।	आप पुरुष हैं।
तू पुत्री है।	तुम पुत्री हो।	आप माता हैं।
तू पुत्र है।	तुम पुत्र हो।	आप पिता हैं।
तू नौकर है।	तुम मालिक हो।	आप मालिक हैं।
तू तोम्बी है।	तुम नुपीमचा हो।	आप इबेमहल हैं।

तू डाक्टर है।	तुम लोग डाक्टर हो।	आप लोग डाक्टर हैं।
तू छात्र है।	तुम लोग छात्र हो।	आप लोग अध्यापक हैं।
तू पुत्री है।	तुम लोग पुत्रियाँ हो।	आप लोग माताएँ हैं।
तू बहन है।	तुम लोग बहनें हो।	आप लोग बहनें हैं।

तू लड़की है।	तुम लोग लड़कियाँ हो।	आप लोग महिलाएँ हैं।
तू नौकर है।	तुम लोग नौकर हो।	आप लोग मालिक हैं।
तू भाई है।	तुम लोग भाई हो।	आप लोग भाई हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

मैं — हूँ।		हम — हैं।
तू — है।		तुम — हो।
		आप — हैं।
वह — है		वे — हैं।
यह — है		ये — हैं।

2. सुनो और वाक्य पूरे करो :—

(क) तू .... है।
(ख) .... नौकर हो।
(ग) .... हैं।
(घ) तू .... ।
(ङ) आप अध्यापक .... ।
(च) तुम बच्चा ....।
(छ) तुम .... महिलाएँ ....।
(ज) .... लोग भाई ....।

3. **सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—**

(क) तू लड़का हो।
(ख) आप डॉक्टर है।

(ग) तुम पुत्र है।
(घ) आप लोग बहन हैं।
(ङ) तुम लोग बच्चा है।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

लट : नट,	लब : नव,	लौ : नौ,	लाला : नाना
जल : जन,	गाल : गान,	जाल : जान,	माल : मान

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पहले स्वयं बोल कर, फिर छात्रों से बोलने के लिए कहकर पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास कराएगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराए जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — पहले अध्यापक बोलेगा और फिर छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक अधूरे वाक्य को बोलेगा और छात्रों से वाक्य पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — पहले अध्यापक अशुद्ध वाक्य को बोलेगा और छात्रों से शुद्ध करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — पहले अध्यापक शुद्ध उच्चारण के साथ शब्द-युग्मों को पढ़ेगा और फिर छात्रों से शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का तत्काल सुधार किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

अ आ ओ औ

अ आ ओ औ

अ आ ओ औ

अ आ ओ औ

अआओऔ अआओऔ

अआओऔ अआओऔ

अब आन ओर और आग

अब आन ओर और आग

अगर आम ओट औषध

अगर आम ओट औषध

पाठ – ग्यारह

J5J1U9

तू/तुम/आप+क्रिया
तू/तुम/आप+कर्म+क्रिया

(मौखिक)

नए शब्द —
जागना, दूध, लकड़ी, काटना।

तू आता है।	तुम आते हो।	आप आते हैं।
तू जाता है।	तुम जाते हो।	आप जाते हैं।
तू रोता है।	तुम रोते हो।	आप रोते हैं।
तू हँसता है।	तुम हँसते हो।	आप हँसते हैं।
तू जागता है।	तुम जागते हो।	आप जागते हैं।
तू सोता है।	तुम सोते हो।	आप सोते हैं।
तू खाता है।	तुम खाते हो।	आप खाते हैं।
तू पीता है।	तुम पीते हो।	आप पीते हैं।
तू देखता है।	तुम देखते हो।	आप देखते हैं।
तू लिखता है।	तुम लिखते हो।	आप लिखते हैं।

तू आती है।	तुम आती हो।	आप आती हैं।
तू जाती है।	तुम जाती हो।	आप जाती हैं।
तू रोती है।	तुम रोती हो।	आप रोती हैं।
तू हँसती है।	तुम हँसती हो।	आप हँसती हैं।

तू जागती है।	तुम जागती हो।	आप जागती हैं।
तू सोती है।	तुम सोती हो।	आप सोती हैं।
तू खाती है।	तुम खाती हो।	आप खाती हैं।
तू पीती है।	तुम पीती हो।	आप पीती हैं।
तू देखती है।	तुम देखती हो।	आप देखती हैं।
तू लिखती है।	तुम लिखती हो।	आप लिखती हैं।

तू काम करता है।	तू काम करती है।
तुम काम करते हो।	तुम काम करती हो।
आप काम करते हैं।	आप काम करती हैं।
तू फल खाता है।	तू फल खाती है।
तुम फल खाते हो।	तुम फल खाती हो।
आप फल खाते हैं।	आप फल खाती हैं।
तू दूध पीता है।	तू दूध पीती है।
तुम दूध पीते हो।	तुम दूध पीती हो।
आप दूध पीते हैं।	आप दूध पीती हैं।
तू चित्र देखता है।	तू चित्र देखती है।
तुम चित्र देखते हो।	तुम चित्र देखती हो।
आप चित्र देखते हैं।	आप चित्र देखती हैं।
तू लकड़ी काटता है।	तू लकड़ी काटती है।
तुम लकड़ी काटते हो।	तुम लकड़ी काटती हो।
आप लकड़ी काटते हैं।	आप लकड़ी काटती हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

तू जाता है।	तू जाती है
तू सोता है।	तू सोती है।
तू हँसता है।	तू हँसती है।
तू खाता है।	तू खाती है।
तू पढ़ता है।	तू पढ़ती है।
तू लिखता है।	तू लिखती है।

तुम जाते हो।	तुम जाती हो।
तुम सोते हो।	तुम सोती हो।
तुम हँसते हो।	तुम हँसती हो।
तुम खाते हो।	तुम खाती हो।
तुम पढ़ते हो।	तुम पढ़ती हो।
तुम लिखते हो।	तुम लिखती हो।

आप जाते हैं।	आप जाती हैं।
आप सोते हैं।	आप सोती हैं।
आप हँसते हैं।	आप हँसती हैं।
आप खाते हैं।	आप खाती हैं।
आप पढ़ते हैं।	आप पढ़ती हैं।
आप लिखते हैं।	आप लिखती हैं।

2. **सुनो और वाक्य पूरे करो :—**

(क) तू रोता ....।

(ख) तुम ....।

(ग) आप .... ।

(घ) तुम दूध .... ।

(ङ) .... फल खाती हैं।

(च) .... लिखता है।

(छ) .... हो।

3. **सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—**

(क) तू जाती हो।

(ख) तुम पानी पीता हो।

(ग) वे खाना खाता है।

(घ) मैं सोता है।

(ङ) आप मालिक हो।

(च) हम काम करता हैं।

(छ) वह लड़का हूँ।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

सन : छल, सार : छार, साल : छाल, सेना : छेना
साया : छाया, सोम : छोम, पसली : मछली, कास : काछ

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक प्रत्येक वाक्य को पहले स्वयं बोलकर, बाद में छात्रों से बोलने के लिए कहकर पाठ में दी गई सामग्री का अभ्यास कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — प्रत्येक वाक्य को अध्यापक एक-एक करके पहले स्वयं बोलेगा और फिर छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक अधूरे वाक्य एक-एक करके बोलेगा और छात्रों से उन्हें पूरा करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक अशुद्‌ध वाक्य बोलेगा और छात्रों से शुद्‌ध करके बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शुद्‌ध उच्चारण के साथ शब्द-युग्मों को पढ़ेगा और छात्रों से शुद्‌ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और उनसे दुबारा शुद्‌ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

उ ऊ ञ ज

उ उ ऊ ज ज

उ उ ऊ ज ज

उ उ ऊ ज ज

उ ऊ ज उ ऊ ज उ ऊ ज

उ ऊ ज उ ऊ ज उ ऊ ज

उर ऊन जहाज उस ऊपर

उर ऊन जहाज उस ऊपर

जब जञ्जीर उमर ऊधम

जब जञ्जीर उमर ऊधम

पाठ – बारह

R5F9H1

क्या

(मौखिक)

नए शब्द —
क्या, गुलाब, सिर, सूर्य, चाँद, बालटी, ढोलक, अण्डा, कुर्सी, ठेला, मोढ़ा, गमला।

यह आम है।

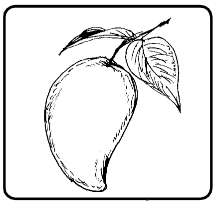

यह क्या है ? यह आम है।

यह गुलाब है।

यह क्या है ? यह गुलाब है।

यह सिर है।

यह क्या है ? यह सिर है।

वह सूर्य है।

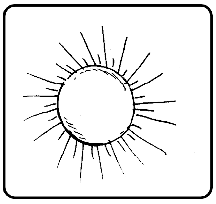

वह क्या है ? वह सूर्य है।

वह चाँद है। ☞ 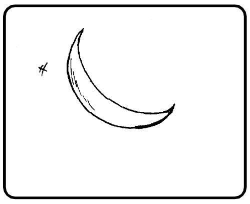 वह क्या है ? वह चाँद है।

वह बालटी है। ☞ 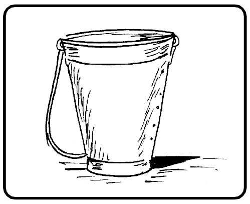 वह क्या है ? वह बालटी है।

ये घड़े हैं। ☞ 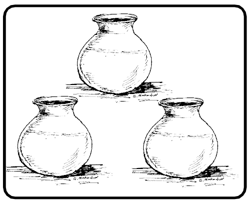 ये क्या हैं ? ये घड़े हैं।

ये पुस्तकें हैं। ☞ 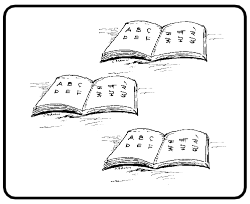 ये क्या हैं ? ये पुस्तकें हैं।

ये गायें हैं। ☞ 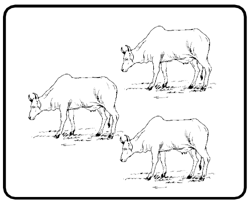 ये क्या हैं ? ये गायें हैं।

वे ढोलक हैं। ☞ 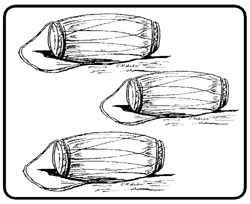 वे क्या हैं ? वे ढोलक हैं।

वे जूते हैं।

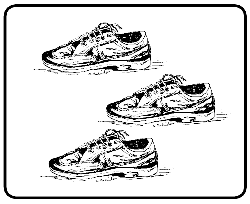

वे क्या हैं ? वे जूते हैं।

वे तोते हैं।

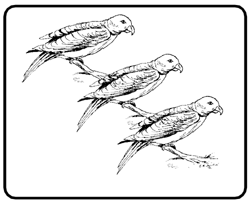

वे क्या हैं ? वे तोते हैं।

यह क्या है ?

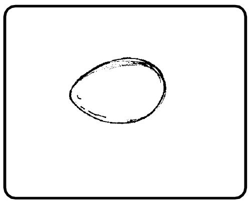

यह अण्डा है।

ये क्या है ?

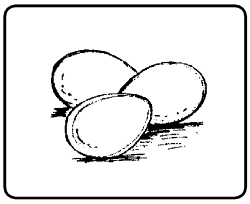

ये अण्डे हैं।

यह क्या है ?

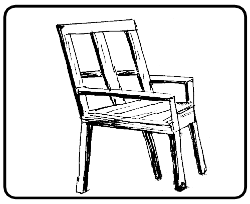

यह कुर्सी है।

ये क्या हैं ?

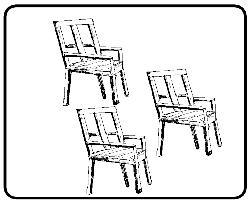

ये कुर्सियाँ हैं।

वह क्या है? ☞

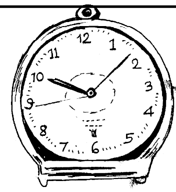

वह घड़ी है।

वे क्या हैं? ☞

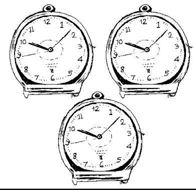

वे घड़ियाँ हैं।

वह क्या है? ☞

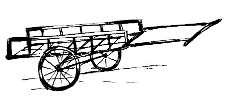

वह ठेला है।

वे क्या हैं? ☞

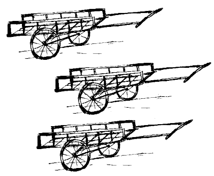

वह ठेले हैं।

यह क्या है? ☞

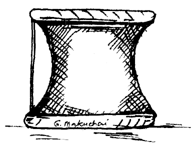

यह मोढ़ा है।

वह क्या है? ☞

वह गमला है।

ये क्या हैं ? ☞ ये फूल हैं ।

वे क्या हैं ? ☞ 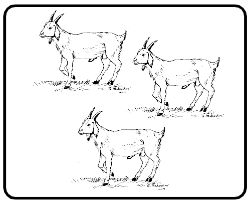 वे बकरे हैं ।

प्रश्न-अभ्यास

1. **देखो, सुनो और उत्तर दो :—**

(क) यह क्या है ?

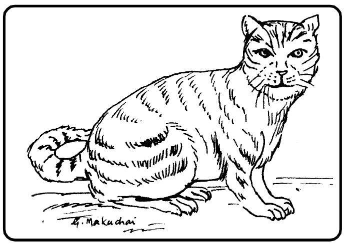
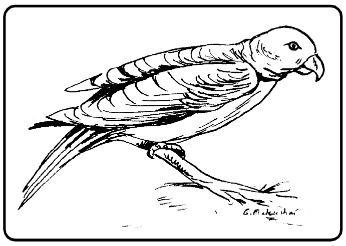
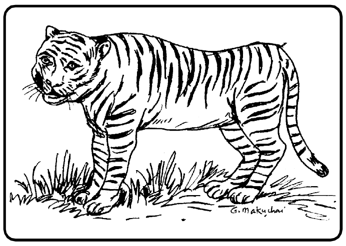

(ख) ये क्या हैं ?

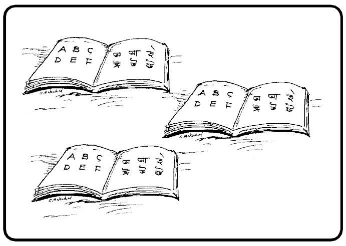
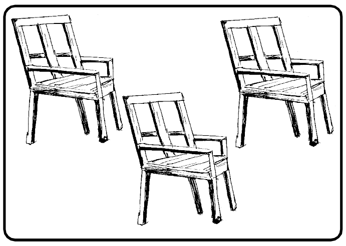

(ग)   वह क्या है ?

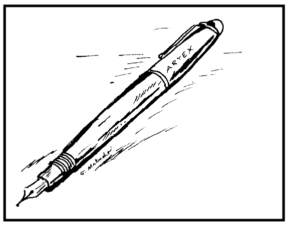 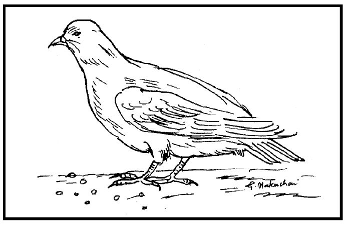 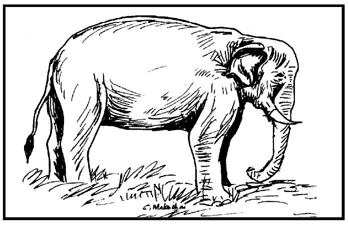

(घ)   वे क्या हैं ?

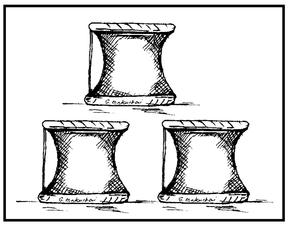 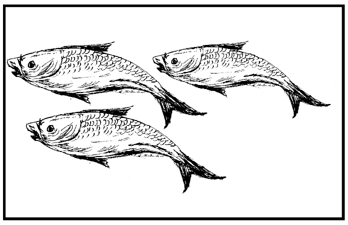 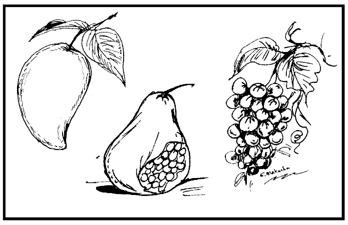

2.   **देखो और प्रश्न करो :—**

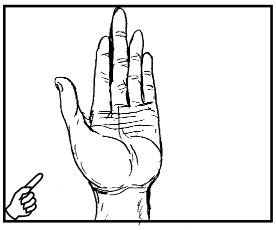 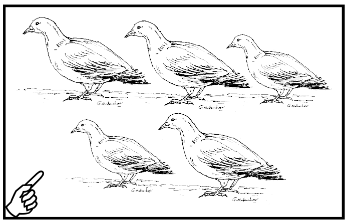 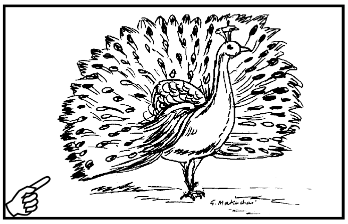

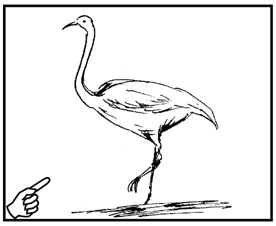 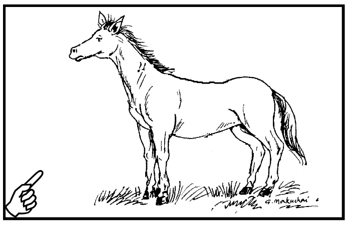 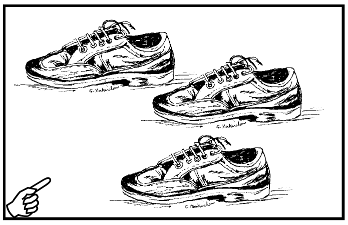

3.   **प्रश्न-संख्या 2 के चित्रों को देखो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दो।**

4.   **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

सम : शम,   सर : शर,   साम : शाम,   साल : शाल

पास : पाश,   लास : लाश,   नास : नाश,   कोस : कोश

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से पाठ-सामग्री का अभ्यास पहले अध्यापक बोलकर, फिर छात्रों से बोलने के लिए कहकर कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — अध्यापक छात्रों को चित्र दिखाएगा, प्रश्न करेगा और छात्रों से उत्तर देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक छात्रों को एक-एक चित्र दिखाएगा और प्रश्न करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक छात्रों को प्रश्न-संख्या २ का एक-एक चित्र फिर दिखाएगा और फिर प्रश्न करने के लिए कहेगा और उत्तर चित्रों के माध्यम से देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शुद्‌ध उच्चारण के साथ शब्द-युग्मों को पढ़ेगा और छात्रों से शुद्‌ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा शुद्‌ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

त ल ऋ च

त ल क्र च

तलक्रच तलक्रच तलक्रच

तान चाल ऋण चाय तालाब

तान चाल ऋण चाय तालाब

लय चल ताकत ललाट ऋण

लय चल ताकत ललाट ऋण

पाठ – तेरह

H4B9A2

कौन

(मौखिक)

नए शब्द —

भाभी, नानी, दादी, दादा, बाप, दुकानदार, लेखक, नाना, गायक, कलाकार

मैं डाक्टर हूँ।	मैं कौन हूँ ?
मैं लड़का हूँ।	मैं कौन हूँ ?
हम बच्चे हैं।	हम कौन हैं ?
हम बालिकाएँ हैं।	हम कौन हैं ?
तू पुत्र है।	तू कौन है ?
तू लड़की है।	तू कौन है ?
तूम भाभी हो।	तुम कौन हो ?
तुम नानी हो।	तुम कौन हो ?
आप पिता हैं।	आप कौन हैं ?
आप दादी हैं।	आप कौन हैं ?
वह दादा है।	वह कौन है ?
वह माँ है।	वह कौन है ?
वे लड़कियाँ हैं।	वे कौन हैं ?
वे बहनें हैं।	वे कौन हैं ?

मैं कौन हूँ ?	तू बच्चा है।
मैं कौन हूँ ?	तुम छात्र हो।
मैं कौन हूँ ?	आप अध्यापक हैं।
हम कौन हैं ?	तुम लोग लड़के हो।
हम कौन हैं ?	तुम लोग माताएँ हो।
तू कौन है ?	मैं थाङ्जालियान हूँ।
तू कौन है ?	मैं नौकर हूँ।
तुम कौन हो ?	मैं बाप हूँ।
तुम कौन हो ?	मैं गाइरेमनङ् हूँ।
आप कौन हैं ?	मैं अध्यापिका हूँ।
आप कौन हैं ?	मैं दुकानदार हूँ।
वह कौन है ?	वह लेखक है।
वह कौन है ?	वह नाना है।
वे कौन हैं ?	वे गायक हैं।
वे कौन हैं ?	वे कलाकार हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **ध्यान से सुनो और प्रश्न करो :—**

(क) मैं बच्चा हूँ।
(ख) हम लड़कियाँ हैं।
(ग) तू नौकर है।
(घ) तुम भाई हो।
(ङ) आप अध्यापक हैं।

(**च**) वह तोमचौ है।

(**छ**) वे महिलाएँ हैं।

2. **ध्यान से सुनो और उत्तर दो :—**

(**क**) मैं कौन हूँ ?

(**ख**) हम कौन हैं ?

(**ग**) तू कौन है ?

(**घ**) तुम कौन हो ?

(**ङ**) आप कौन हैं ?

(**च**) वह कौन है ?

(**छ**) वे कौन है ?

3. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

तन : टन, ताल : टाल, खत : हट, मात : माट, नाता : नाटा

अध्यापन-संकेत —

प्रारम्भ में पहले खण्ड में दिए गए वाक्यों के आधार पर ''कौन'' का प्रयोग करते हुए प्रश्न करने का अभ्यास कराया जाएगा। यह अभ्यास बार-बार कराया जाना चाहिए। उसके बाद दूसरे खण्ड के वाक्यों के आधार पर अभ्यास कराया जाएगा। पहले अध्यापक प्रश्न को बोलेगा, वही प्रश्न छात्रों से कहलवाएगा। प्रश्नों के उत्तर अध्यापक स्वयं देगा और छात्रों से उन उत्तरों को बोलने के लिए कहेगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे –

अभ्यास 1 — अध्यापक एक-एक वाक्य को पढ़ेगा और छात्रों से उस वाक्य से सम्बन्धित प्रश्न ''कौन'' लगाकर करने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक छात्रों से प्रश्न करेगा और उत्तर देने के लिए कहेगा।

अभ्यास 3 — पहले अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से उसी प्रकार पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ड ड़ ङ इ ई झ

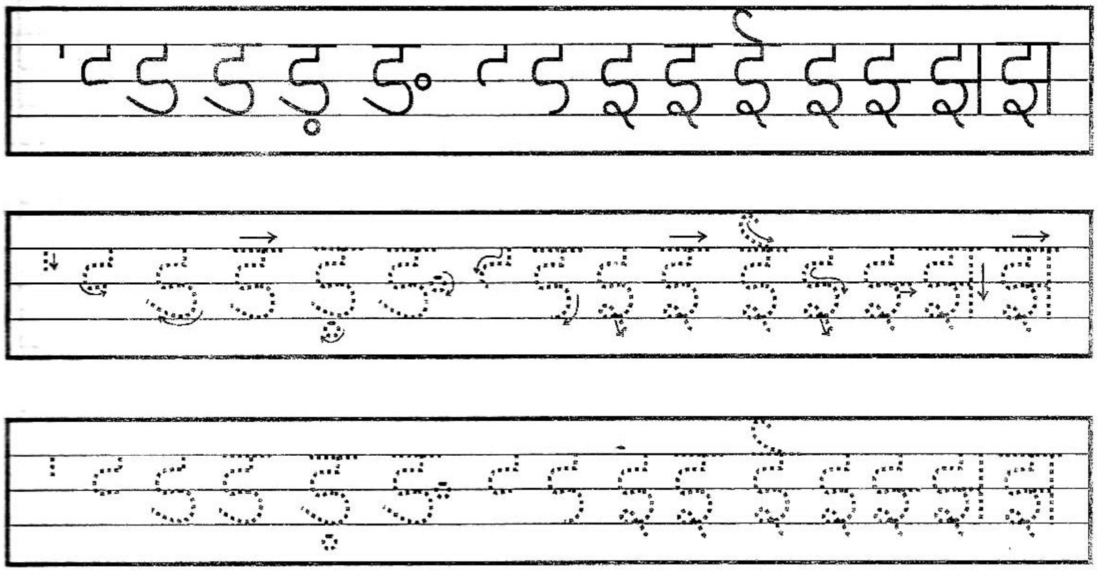

ड ड़ ङ इ ई झ   ड ड़ ङ इ ई झ

ड ड़ ङ इ ई झ   ड ड़ ङ इ ई झ

डर ईद झड़न लड़का डाक

डर ईद झड़न लड़का डाक

ढाई इनाम झलक डाँड़

ढाई इनाम झलक डाँड़

पाठ – चौदह

N1U1H2

आज्ञार्थक वाक्य

(मौखिक)

नए शब्द —

यहाँ, वहाँ, बाहर, चित्र, पत्र, कहानी, बोलना, दौड़ना, भागना, चलना, खोजना

तू आ।	तुम आओ।	आप आइए।
तू जा।	तुम जाओ।	आप जाइए।
तू बैठ।	तुम बैठो।	आप बैठिए।
तू खा।	तुम खाओ।	आप खाइए।
तू पढ़।	तुम पढ़ो।	आप पढ़िए।
तू गा।	तुम गाओ।	आप गाइए।
तू यहाँ आ।	तुम यहाँ आओ।	आप यहाँ आइए।
तू वहाँ जा।	तुम वहाँ जाओ।	आप वहाँ जाइए।
तू बाहर बैठ।	तुम बाहर बैठो।	आप बाहर बैठिए।
तू खाना खा।	तुम खाना खाओ।	आप खाना खाइए।
तू पुस्तक पढ़।	तुम पुस्तक पढ़ो।	आप पुस्तक पढ़िए।
तू गाना गा।	तुम गाना गाओ।	आप गाना गाइए।
तू चित्र देख।	तुम चित्र देखो।	आप चित्र देखिए।
तू पत्र लिख।	तुम पत्र लिखो।	आप पत्र लिखिए।
तू कहानी सुन।	तुम कहानी सुनो।	आप कहानी सुनिए।

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो और बोलो :—**

आ	आओ	आइए
जा	जाओ	जाइए
उठ	उठो	उठिए
खा	खाओ	खाइए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
लिख	लिखो	लिखिए

2. **इन क्रियाओं के तीनों रूपों को बोलो:—**

बैठना, हँसना, रोना, करना, देखना, काटना

3. **सुनो, बोलो और समझो :—**

तू जाग	तुम जागो	आप जागिए
तू सुन	तुम सुनो	आप सुनिए
तू गा	तुम गाओ	आप गाइए
तू सो	तुम सोओ	आप सोइए
तू घूम	तुम घूमो	आप घूमिए।

4. **तू, तुम और आप के साथ इन क्रियाओं के विभिन्न रूपों को बोलो :—**

बोलना, दौड़ना, भागना, चलना, खोजना

5. **सुनो, सोचो और शुद्ध करो :—**

(क) आप फल खाओ।

(ख) तुम जा।

(ग) तू बैठिए।

(घ) तुम आइए।
(ङ) आप काम कर।
(च) तू बोलो।

6. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

थन : ठन,	थैला : ठैला,	थकना : ठगना
पाथ : पाठ,	साथ : साठ,	हाथी : हाठी

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पाठ में दिए गए वाक्यों को एक-एक करके पढ़ेगा और छात्रों से भी पढ़ने के लिए कहकर बार-बार अभ्यास कराएगा। उसके बाद प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 और 3 — पहले अध्यापक बोलेगा और छात्रों से बार-बार बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — अध्यापक एक-एक क्रिया को बोलेगा और छात्रों से प्रत्येक क्रिया के तीनों रूपों को बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक एक-एक क्रिया को बोलेगा और छात्रों से 'तू', 'तुम' और 'आप' के साथ प्रत्येक क्रिया के तीनों रूपों को बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 5 — अध्यापक एक-एक वाक्य को बोलेगा और छात्रों से शुद्ध करके बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 6 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ेगा और छात्रों से भी शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और छात्रों से दुबारा बोलने के लिए कहा जाएगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित लिपि-चिह्नों को लिखना सिखाया जाएगा —

ज्ञ क्ष त्र

र क्ष त

रक्षत रक्षत रक्षत रक्षत

ज्ञान छात्र क्षण क्षात्र ज्ञात

ज्ञान छात्र क्षण क्षात्र ज्ञात

क्षमा यज्ञ क्षय त्रय ज्ञापन

क्षमा यज्ञ क्षय त्रय ज्ञापन

पाठ – पन्द्रह

I8N5F3

एक से बीस तक की गिनती

(मौखिक)

नए शब्द —

टमाटर, पतंग, पंखा, चरखा, शंख, केले, हल, पेंसिल, एक से बीस तक शब्दों में

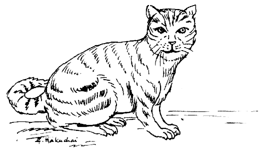

एक बिल्ली १

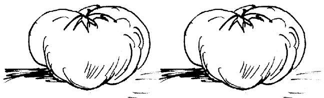

दो टमाटर २

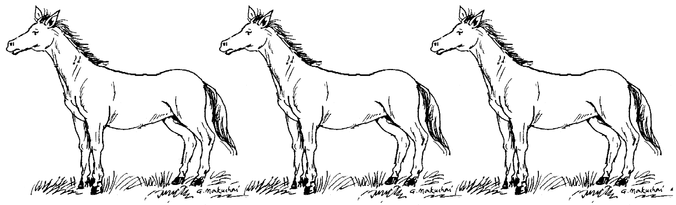

तीन घोड़े ३

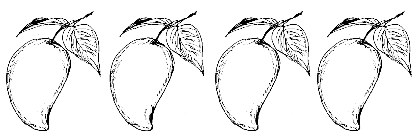

चार आम ४

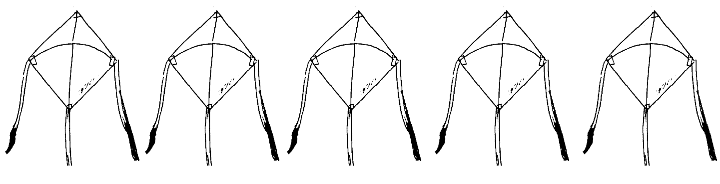

पाँच पतंगें ५

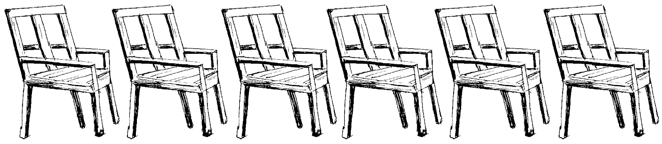

छह कुर्सियाँ ६

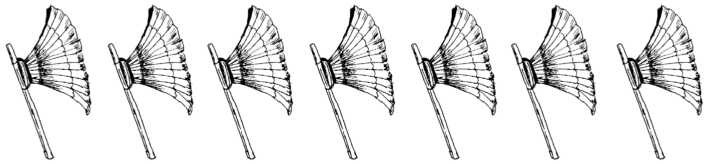

सात पंखे ७

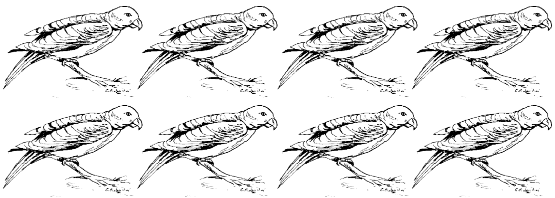

आठ तोते ८

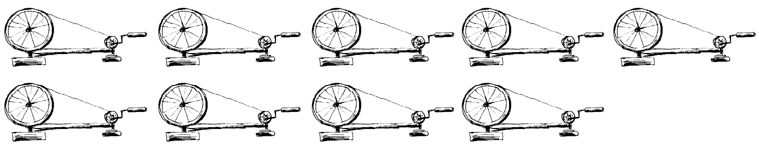

नौ चरखे ९

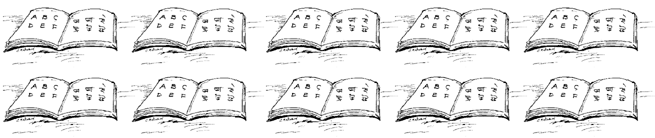

दस पुस्तकें १०

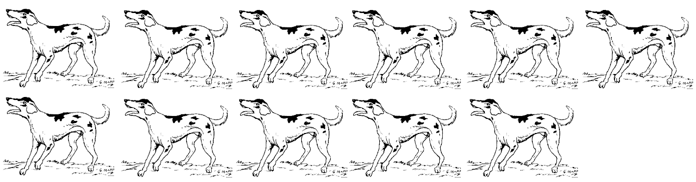

ग्यारह कुत्ते ११

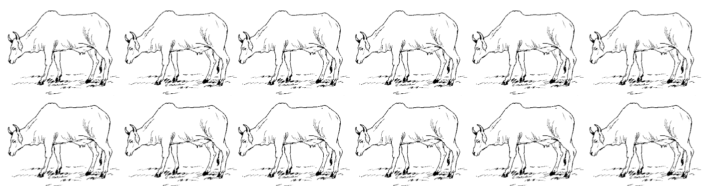

बारह गायें १२

तेरह घड़े १३

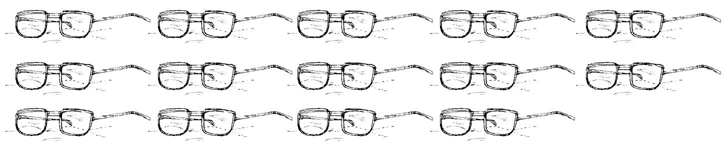

चौदह ऐनकें १४

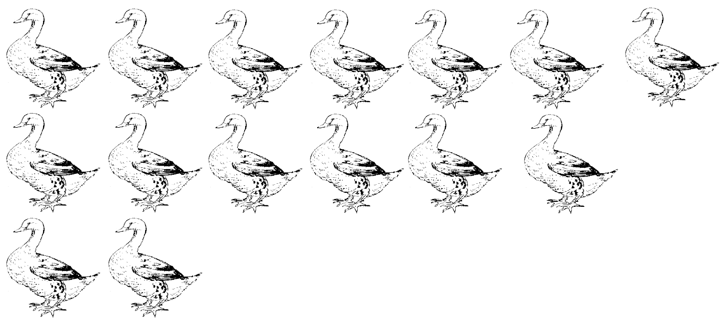

पन्द्रह बतखें १५

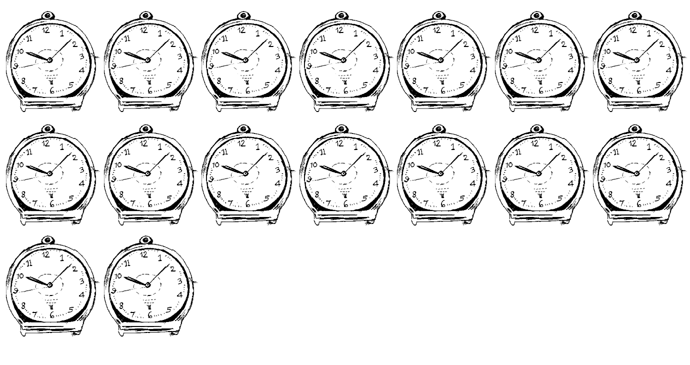

सोलह घड़ियाँ १६

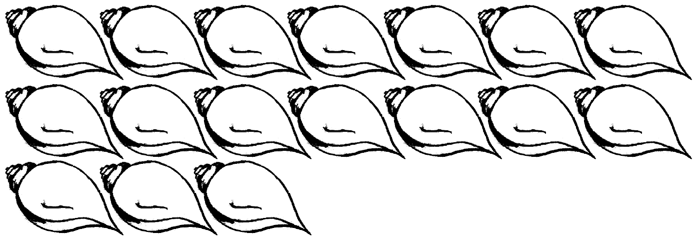

सत्रह शंख १७

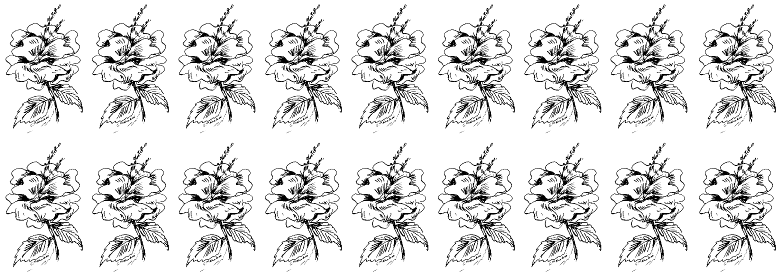

अट्ठारह फूल १८

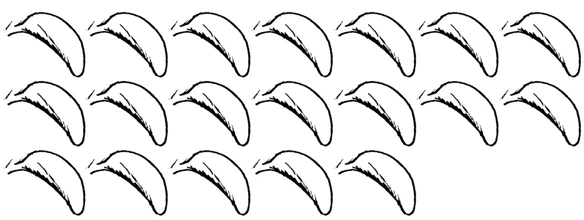

उन्नीस केले १९

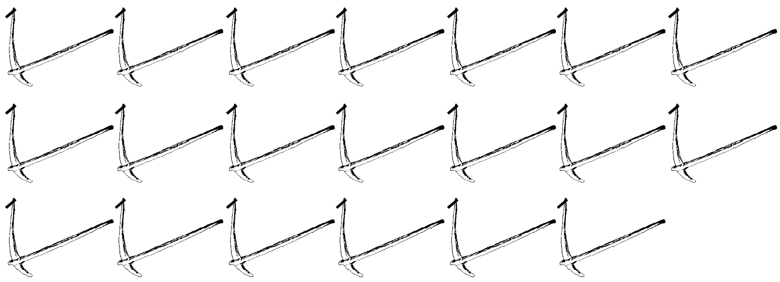

बीस हल २०

प्रश्न-अभ्यास

1. **सुनो, बोलो और समझो :—**

   एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह (छः), सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पन्द्रह, सोलह, सत्रह, अट्ठारह, उन्नीस, बीस।

2. **बोलो :—**

   ग्यारह से बीस तक क्रम से।

3. **सुनो, और संख्या के साथ बोलो :—**

पुस्तक, कलम, पेंसिल, फल, छतरी, बकरी, दरवाज़ा, चिड़िया, आँख, हाथ, पंखा, चरखा, ढोलक, घर, कबूतर, मोढ़ा।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

दर : डर, दल : डल, दाल : डाल, दीन : डीन, दूध : डूध

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक छात्रों को पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से एक से बीस तक की गिनती सिखाएगा। पहले अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। बाद में प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराया जाएगा, जैसे –

अभ्यास 1 — एक-एक करके अध्यापक स्वयं बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 2 — छात्रों से बोलने के लिए कहा जाएगा। न बोल सकने पर अध्यापक बोलने में मदद करेगा।

अभ्यास 3 — एक-एक शब्द को अध्यापक पहले बोलेगा। बाद में छात्रों से किसी न किसी संख्यावाचक शब्द के साथ बोलने के लिए कहेगा।

अभ्यास 4 — अध्यापक शब्द-युग्मों को शुद्ध उच्चारण के साथ बोलेगा और छात्रों से भी उसी प्रकार बोलने के लिए कहेगा। छात्रों की उच्चारणगत त्रुटियों का सुधार तत्काल किया जाएगा और दुबारा शुद्ध उच्चारण के साथ बोलने के लिए कहेगा।

इस पाठ के साथ निम्नांकित अंकों को लिखना सिखाया जाएगा —

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

पाठ – सोलह

E2T3N9

स्वर वर्ण

अ
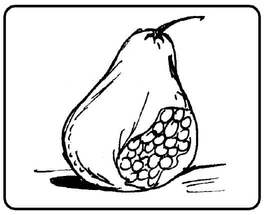
अनार

आ

आम

इ
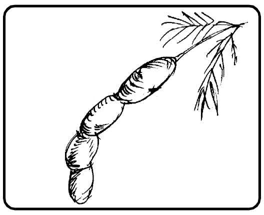
इमली

ई
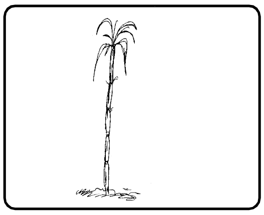
ईख

उ
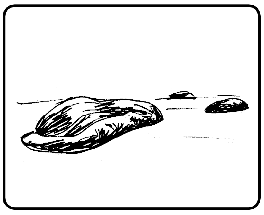
उपला

ऊ
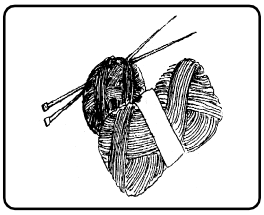
ऊन

ऋ

ऋषि

ए
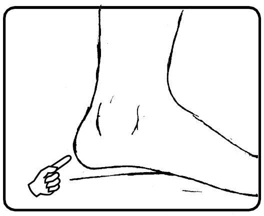
एड़ी

ऐ
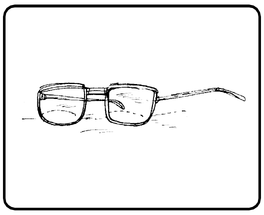
ऐनक

ओ
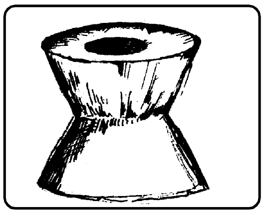
औखली

औ
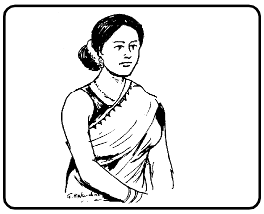
औरत

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ

पहचानो :—

औ	उ	ऋ	ए
ई	आ	ऊ	ओ
अ	इ	ऐ	

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से स्वर-वर्णों को सिखाया जाएगा। पहले अध्यापक एक-एक को बोलेगा और छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। उसके बाद बिना चित्र के स्वर-वर्णों को क्रम से पढ़ना सिखाया जाएगा। अन्त में अध्यापक बिना क्रम के स्वर-वर्णों को पढ़ने के लिए छात्रों से कहेगा और देखेगा कि प्रत्येक छात्र स्वर-वर्णों से परिचित है या नहीं।

इस पाठ के साथ स्वर वर्णों को क्रम से लिखने का अभ्यास कराया जाएगा।

सोलह

(पाठ— १६ के लिए)

क ख ग घ ङ च छ ज झ ट ठ

क ख ग घ ङ च छ ज झ ट ठ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

पाठ – सत्रह

S2B5W7

व्यंजन वर्ण

क
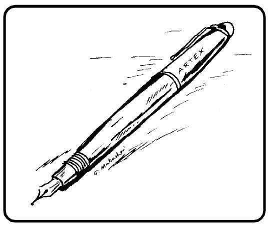
कलम

ख
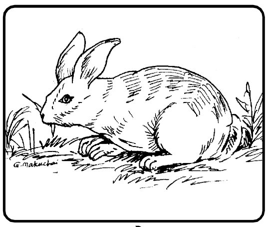
खरगोश

ग
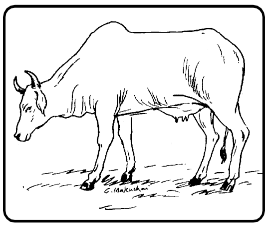
गाय

घ
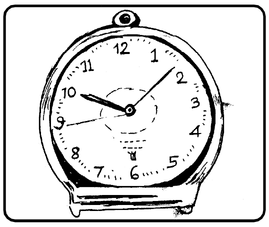
घड़ी

ङ

ङ

च
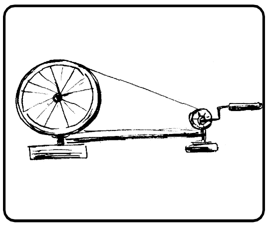
चरखा

छ
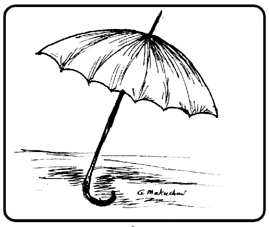
छतरी

ज

जूता

झ
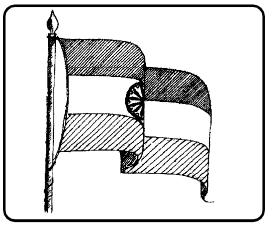
झण्डा

ञ

ञ

ट
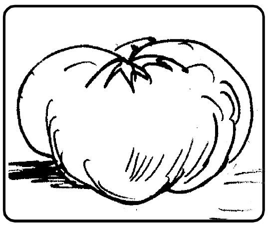
टमाटर

ठ
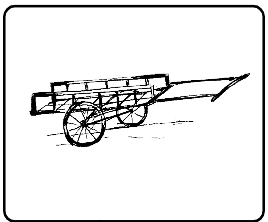
ठेला

ड

डिब्बा

ढ
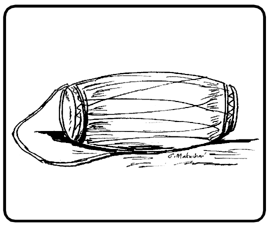
ढोलक

ण

ण

त
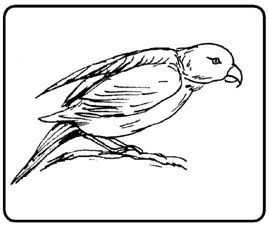
तोता

थ
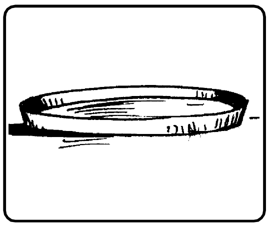
थाली

द

दवात

ध
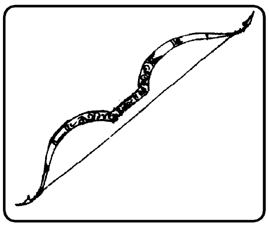
धनुष

न
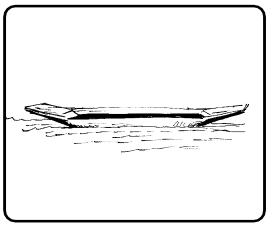
नाव

प
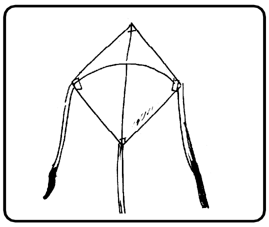
पतंग

फ

फूल

ब

बन्दर

भ
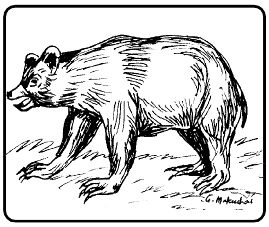
भालू

म 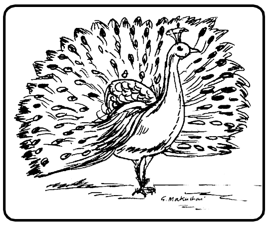

मोर

य

यज्ञ

र 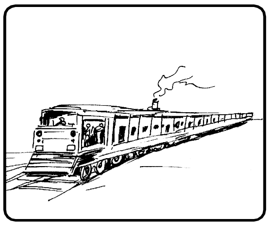

रेल

ल 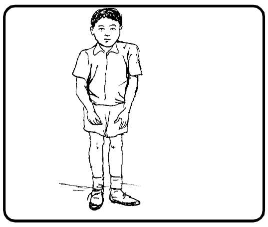

लड़का

व 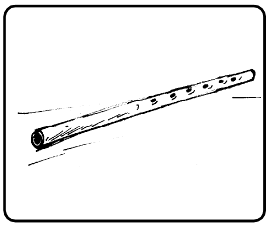

वंशी

श 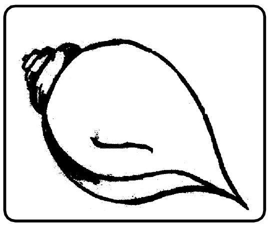

शंख

ष

ष

[illegible]

स 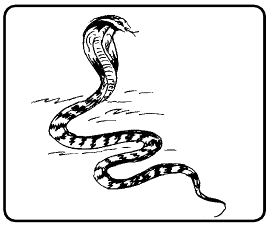

साँप

ह 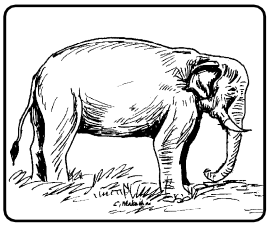

हाथी

ड़

ड़

ढ़

ढ़

क	**ख**	**ग**	**घ**	**ङ**
च	**छ**	**ज**	**झ**	**ञ**
ट	**ठ**	**ड**	**ढ**	**ण**
त	**थ**	**द**	**ध**	**न**
प	**फ**	**ब**	**भ**	**म**
य	**र**	**ल**	**व**	**श**
ष	**स**	**ह**	**ड़**	**ढ़**

पहचानो —

स	**ङ**	**य**	**ह**	**त**
ण	**च**	**ड़**	**भ**	**ठ**
प	**श**	**ध**	**ग**	**छ**
ख	**ज**	**र**	**ब**	**ढ़**
म	**ट**	**क**	**थ**	**झ**
घ	**ञ**	**ड**	**न**	**व**
ढ	**द**	**फ**	**ल**	**ष**

अध्यापन-संकेत —

पाठ में दिए गए चित्रों के माध्यम से व्यंजन-वर्णों को सिखाया जाएगा। पहले अध्यापक स्वयं एक-एक वर्ण और वर्ण से सम्बन्धित शब्द को बोलेगा और बाद में छात्रों से बोलने के लिए कहेगा। उसके बाद बिना चित्रों के व्यंजन-वर्णों को फिर क्रम से पढ़ना सिखाया जाएगा। अन्त में अध्यापक बिना क्रम के व्यंजन-वर्णों को पढ़ने के लिए कहेगा और देखेगा कि प्रत्येक छात्र व्यंजन-वर्णों से परिचित है या नहीं।

इस पाठ के साथ व्यंजन-वर्णों को क्रम से लिखने का अभ्यास कराया जाएगा।

क ख ग घ ङ च छ ज झ ट ठ

क ख ग घ ङ च छ ज झ ट ठ

ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ

ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ

म य र ल व श ष स ह ड़ ढ़

म य र ल व श ष स ह ड़ ढ़

पाठ – अट्ठारह

Z5R4J4

मात्राओं की पहचान

(कथन शैली)

नए शब्द —

काका, दादा, मामा, चाचा, दिन, पिन, बिना, तिथि, चिराग, हिसाब, बिटिया, चीनी, दीदी, नीति, वाणी, चमड़ी, पुल, गुण, तुला, बुरा, गुरु, मुरली, सुरती, धूल, पूजा, आलू, मृग, तृण, घृणा, पृथक, कृपाण, मृणाल, नृपति, खेल, शेर, पेड़, चेला, देवर, पैर, बैल, भैया, पैसा, कैदी, मैली, कैकेयी, थैली, चोर, दोष, सोनार, बजाना, मौन, फौज, बौना, कचौड़ी, पकौड़ी, गौरैया।

आ = ा		क् + ा = का,	च् + ा = चा,	त् + ा = ता,	प् + ा = पा
काका, पापा, मामा, चाचा, नाना, दादा, माला
काका खाना खाता है।

इ = ि		क् + ि = कि,	च् + ि = चि,	प् + ि = पि,	न् + ि = नि
पिन, दिन, पिता, बिना, तिथि, चिराग, हिसाब, बिटिया
मणि किताब लिखता है।

ई = ी		च् + ी = ची,	द् + ी = दी,	न् + ी = नी,	ल् + ी = ली
चीनी, दीदी, पानी, नीति, वाणी, लड़की, चमड़ी
दीदी पानी पीती है।

उ = ु   क् + ु = कु,   ब् + ु = बु,   त् + ु = तु,   ह् + ु = हु
कुल, पुल, गुण, तुला, बुरा, गुरू, मुरली, सुरती
अमु बहुत बुरा आदमी है।

ऊ = ू   क् + ू = कू,   ज् + ू = जू,   द् + ू = दू,   फ् + ू = फू
दूध, धूल, फूल, जूता, पूजा, आलू, भालू
भालू आलू खाता है।

ऋ = ृ   क् + ृ = कृ,   त् + ृ = तृ,   म् + ृ = मृ,   घ् + ृ = घृ

मृग, तृण, घृणा, पृथक, कृपाण, मृणाल, नृपति
मृग तृण खाता है।

ए = े   क् + े = के,   ख् + े = खे,   ल् + े = ले,   श् + े = शे
खेल, शेर, पेड़, केला, चेला, बकरे, लड़के, देवर
लड़के केले खाते हैं।

ऐ = ै   प् + ै = पै,   भ् + ै = भै,   म् + ै = मै,   न् + ै = नै
पैर, बैल, भैया, पैसा, कैदी, मैली, कैकेयी
भैया की थैली में पैसे हैं।

ओ = ो   क् + ो = को,   घ् + ो = घो,   च् + ो = चो,   म् + ो = मो
चोर, मोर, दोष, घोड़ा, तोता, पोता, ढोलक, सोनार
सोहन रोज ढोलक बजाना है।

औ = ौ   क् + ौ = कौ,   च् + ौ = चौ,   फ् + ौ = फौ,   म् + ौ = मौ
मौन, फौज, कौवा, बौना, कचौड़ी, पकौड़ी, गौरैया
अचौ कचौड़ी खाता है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **देखो, लिखो और सीखो :—**

   ा, ि, ी, ु, ू, ृ, े, ै, ो, ौ

2. **पढ़ो :—**

   पल, फल, कलम, कमल, शहर, सड़क
   बाबा, चाचा, राधा, तारा, बाजार, लाचार
   लिपि, निधि, बालिका, महिला, चिड़िया, बिटिया
   जीजी, दीदी, नीति, रीति, जमीन, मलीन
   तुम, दुम, मुनि, पुरी, कुलकुल, बुलबुल
   दूत, भूत, बूढ़ा, पूरा, लहू, काबू
   मृग, नृप, कृति, कृषि, गृह, पृथा
   तेल, बेर, मेरा, तेरा, सफेद, गणेश
   कैद, मैल, कैसा, जैसा, तैराक, पैगाम
   तोप, पोल, गोला, लोटा, चकोर, कलोल
   कौन, चौक, मौका, सौदा, नौकर, जौहर

3. **लिखो, सीखो और पहचानो :—**

   र् + ु = रु — रुख, रुचि, गुरु, अरुण, पुरुष, रुपया
   र् + ू = रू — रूप, रूई, रूमाल, जरूर, बारूद
   ह् + ृ = हृ — हृत, हृदय, हृषीकेश
   अनुस्वार = ं — कंगना, अंडा, गंढा, चंचल, हंस
   चन्दविंन्दू = ँ — (चँद), हँसना
   विसर्ग = ः — (अदः)
   र रेफ = र्‍ — (कर्म, धर्म)

र पहेन = ⸝ ^— (क्रम,भ्रम), राष्ट्र, ड्रम

4. **पढ़ो, पहचानो और समझो :—**

(क) बालिका रोज नाचती है।

(ख) नानी फूल तोड़ती है।

(ग) मामा और काका बाजार जाते हैं।

(घ) मौसी हृषीकेश से गंगाजल लाती है।

(ङ) अरुण रूमाल में रुपए बाँधता है।

(च) साधु थैली में तृण रखता है।

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पाठ में दिए गए एक-एक वर्ण, मात्रा, शब्द और वाक्य को पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों से पाठ का बार-बार अभ्यास कराया जाएगा और प्रत्येक मात्रा से परिचित कराया जाएगा। अगले दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराए जाएगा, जैसे —

अभ्यास 1 — पुस्तक के माध्यम से मात्राओं को लिखना सिखाया जाएगा।

अभ्यास 2 और 4 — अध्यापक छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा और इस बात का ध्यान रखेगा कि छात्र प्रत्येक मात्रा से परिचित हैं या नहीं। यदि परिचित नहीं हैं तो अध्यापक छात्रों को बार-बार बताएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक छात्रों को 'र' में 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ तथा 'ह' में 'ऋ' की मात्रा लगाते समय परिवर्तित रूप के बारे में बताएगा और लिखना भी सिखाएगा।

ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

का कि की कु कू कृ के कै को कौ

का कि की कु कू कृ के कै को कौ

पाठ – उन्नीस

J9Z2N9

था/थे/थी/थीं

(कथन शैली)

नए शब्द —
था, थे, थी, थीं, रोटी।

मैं बीमार था।	हम बीमार थे।
तू बीमार था।	तुम बीमार थे।
	आप बीमार थे।
वह बीमार था।	वे बीमार थे।
मैं बीमार थी।	हम बीमार थीं।
तू बीमार थी।	तुम बीमार थीं।
	आप बीमार थीं।
वह बीमार थी।	वे बीमार थीं।
मैं आया।	हम आए।
तू आया।	तुम आए।
	आप आए।
वह आया।	वे आए।

मैं आई।	हम आईं।
तू आई।	तुम आईं।
	आप आईं।
वह आई।	वे आईं।
मैंने आम खाया।	हमने आम खाया।
तूने आम खाया।	तुमने आम खाया।
	आपने आम खाया।
उसने आम खाया।	उन्होंने आम खाया।
मैंने दो आम खाए।	हमने दो आम खाए।
तूने दो आम खाए।	तुमने दो आम खाए।
	आपने दो आम खाए।
उसने दो आम खाए।	उन्होंने दो आम खाए।
मैंने रोटी खाई।	हमने रोटी खाई।
तूने रोटी खाई।	तुमने रोटी खाई।
	आपने रोटी खाई।
उसने रोटी खाई।	उन्होंने रोटी खाई।
मैंने तीन रोटियाँ खाईं।	हमने तीन रोटियाँ खाईं।
तूने तीन रोटियाँ खाईं।	तुमने तीन रोटियाँ खाईं।
	आपने तीन रोटियाँ खाईं।
उसने तीन रोटियाँ खाईं।	उन्होंने तीन रोटियाँ खाईं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **पढ़ो और समझो :—**

मैं — था	हम — थे	मैं — थी	हम — थीं
तू — था	तुम — थे	तू — थी	तुम — थीं
	आप — थे		आप — थीं
वह — था	वे — थे	वह — थी	वे — थीं

2. **पढ़ो और समझो :—**

मैं आया/हँसा	हम आए/हँसे	मैं आई/हँसी	हम आईं/हँसीं
तू आया/हँसा	तुम आए/हँसे	तू आई/हँसी	तुम आईं/हँसीं
	आप आए/हँसे		आप आईं/हँसीं
वह आया/हँसा	वे आए/हँसे	वह आई/हँसी	वे आईं/हँसीं

3. **पढ़ो और समझो :—**

एक फल खाया	दो फल खाए
एक बिस्कुट खाया	दो बिस्कुट खाए
एक बरफी खाई	तीन बरफियाँ खाईं
एक मछली खाई	चार मछलियाँ खाईं
एक ही मिर्च खाई	दो ही मिर्च खाईं

4. **पढ़ो, समझो और याद रखो :—**

खाया	खाए	खाई	खाईं
देखा	देखे	देखी	देखीं
लिखा	लिखे	लिखी	लिखीं
पिया	पिए	पी	पीं

दिया	दिए	दी	दीं
किया	किए	की	कीं
लिया	लिए	ली	लीं

5. **देखो, पढ़ो और समझो :—**

मैं	+	ने	=	मैंने	हम	+	ने	=	हमने
तू	+	ने	=	तूने	तुम	+	ने	=	तुमने
					आप	+	ने	=	आपने
वह	+	ने	=	उसने	वे	+	ने	=	उन्होंने
यह	+	ने	=	इसने	ये	+	ने	=	इन्होंने
कौन	+	ने	=	किसने	कौन	+	ने	=	किन्होंने
जो	+	ने	=	जिसने	जो	+	ने	=	जिन्होंने

6. **पढ़ो, सोचो और शुद्ध करो :—**

(क) तू पागल थे।
(ख) वे बीमार थी।
(ग) तुम जल्दी आया।
(घ) वह तेज भागे।
(ङ) आप देर तक सोया।
(च) मेमचा ने खाना खाई।
(छ) वहने मुझे मारा।
(ज) तुमने यहीं बैठे।
(झ) चाओबाने चाय पिया।
(ञ) आपने यह काम किए।

7. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

दल : डल, दर : डर, दाल : डाल, दीन : डीन,
दूध : डूध, दोल : डोल, दूब : डूब

पाठ – बीस

W1D8E7

ऊँगा/एगा/ओगे/एँगे

(कथन शैली)

नए शब्द —
शहर, रोज, सुबह, ही, पका, सिर्फ।

मैं जाऊँगा।	हम जाएँगे।
तू जाएगा।	तुम जाओगे।
	आप जाएँगे।
वह जाएगा।	वे जाएँगे।
मैं जाऊँगी।	हम जाएँगी।
तू जाएगी।	तुम जाओगी।
	आप जाएँगी।
वह जाएगी।	वे जाएँगी।
मैं खाना खाऊँगा।	हम खाना खाएँगे।
तू खाना खाएगा।	तुम खाना खाओगे।
	आप खाना खाएँगे।
वह खाना खाएगा।	वे खाना खाएँगे।

मैं खाना खाऊँगी।	हम खाना खाएँगी।
तू खाना खाएगी।	तुम खाना खाओगी।
	आप खाना खाएँगी।
वह खाना खाएगी।	वे खाना खाएँगी।

मैं शहर जाऊँगा।
तुम रोज शहर जाओगी।
वे रोज सुबह शहर जाएँगे।
वह रोज सुबह ही शहर जाएगा।
तू एक आम खाएगा।
इबेचा रोज एक पका आम खाएगी।
तुम रोज एक ही पका आम खाओगे।
मैं रोज सिर्फ एक ही पका आम खाऊँगा।

प्रश्न-अभ्यास

1. **पढ़ो और समझो :—**

मैं — ऊँगा	हम — एँगे	मैं — ऊँगी	हम — एँगी
तू — एगा	तुम — ओगे	तू — एगी	तुम — ओगी
	आप — एँगे		आप — एँगी
वह — एगा	वे — एँगे	वह — एगी	वे — एँगी

2. **पढ़ो, समझो और याद रखो :—**

पुल्लिंग	*स्त्रीलिंग*
मैं — जाऊँगा	मैं — जाऊँगी
सोऊँगा	सोऊँगी

	लिखूँगा		लिखूँगी
	करूँगा		करूँगी
हम —	जाएँगे	हम —	जाएँगी
	सोएँगे		सोएँगी
	लिखेंगे		लिखेंगी
	करेंगे		करेंगी
तू —	जाएगा	तू —	जाएगी
	सोएगा		सोएगी
	लिखेगा		लिखेगी
	करेगा		करेगी
तुम —	जाओगे	तुम —	जाओगी
	सोओगे		सोओगी
	लिखोगे		लिखोगी
	करोगे		करोगी
आप —	जाएँगे	आप —	जाएँगी
	सोएँगे		सोएँगी
	लिखेंगे		लिखेंगी
	करेंगे		करेंगी
वह —	जाएगा	वह —	जाएगी
	सोएगा		सोएगा
	लिखेगा		लिखेगा
	करेगा		करेगा
वे —	जाएँगे	वे —	जाएँगी
	सोएँगे		सोएँगी
	लिखेंगे		लिखेंगी
	करेंगे		करेंगी

3. **पढ़ो, सोचो और शुद्ध करो :—**

(क) वे रोटी खाएगा।
(ख) हम बाजार जाऊँगा।
(ग) तू यह काम करोगे।
(घ) तुम रोज लिखेगा।
(ङ) मैं यह पुस्तक पढ़ेगा।
(च) आप जरूर खाओगे।
(छ) तोम्बा आज शहर जाएँगी।

4. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

धार : ढार, धान : ढाल, धागा : ढाका
धोना : ढोना, धोखा : ढेला, बेधव : मेढक

पाठ – इक्कीस

X2Y1P1

आग्रह वाचक वाक्य

(कथन शैली)

नए शब्द —
छुट्टी, चाहना, निकलना।

मैं आना चाहता हूँ।	हम आना चाहते हैं।
मैं जाना चाहता हूँ।	हम जाना चाहते हैं।
मैं आम खाना चाहता हूँ।	हम आम खाना चाहते हैं।
मैं यह पुस्तक पढ़ना चाहता हूँ।	हम यह पुस्तक पढ़ना चाहते हैं।
मैं छुट्टी चाहता हूँ।	हम छुट्टी चाहते हैं।
मैं आना चाहती हूँ।	हम आना चाहती हैं।
मैं जाना चाहती हूँ।	हम जाना चाहती हैं।
मैं आम खाना चाहती हूँ।	हम आम खाना चाहती हैं।
मैं यह पुस्तक पढ़ना चाहती हूँ।	हम यह पुस्तक पढ़ना चाहती हैं।
मैं छुट्टी चाहती हूँ।	हम छुट्टी चाहती हैं।
मुझे आने दो।	मुझे आने दीजिए।
मुझे जाने दो।	मुझे जाने दीजिए।
हमें चना खाने दो।	हमें चना खाने दीजिए।

हमें यहाँ से निकलने दो।	हमें यहाँ से निकलने दीजिए।
मुझे दो दिन की छुट्टी दो।	हमें दो दिन की छुट्टी दीजिए।
मुझे यह काम करने दो।	हमें यह काम करने दीजिए।

प्रश्न-अभ्यास

1. **पढ़ो, और याद रखो :—**

(क) मैं — जाना चाहता हूँ।
सोना चाहता हूँ।
लेटना चाहता हूँ।
लिखना चाहता हूँ।
देखना चाहता हूँ।

हम — जाना चाहते हैं।
सोना चाहते हैं।
लेटना चाहते हैं।
लिखना चाहते हैं।
देखना चाहते हैं।

(ख) मैं — सोना चाहती हूँ।
लेटना चाहती हूँ।
करना चाहती हूँ।
बनाना चाहती हूँ।
खरीदना चाहती हूँ।

हम — सोना चाहती हैं।
लेटना चाहती हैं।
करना चाहती हैं।
बनाना चाहती हैं।
खरीदना चाहती हैं।

2. **पढ़ो, समझो और याद रखो :—**

(क) मुझे/हमें — आने दो/आने दीजिए।
लेने दो/लेने दीजिए।
भागने दो/भागने दीजिए।
रोने दो/रोने दीजिए।

करने दो/करने दीजिए।
खाने दो/खाने दीजिए।
देखने दो/देखने दीजिए।
पढ़ने दो/पढ़ने दीजिए।

(ख) मुझे/हमें — छुट्टी दो/छुट्टी दीजिए।
कलम दो/कलम दीजिए।
फल दो/फल दीजिए।
काम दो/काम दीजिए।
पैसा दो/पैसा दीजिए।

3. ''चाहना'' के साथ पाँच वाक्य बनाओ।

4. ''दो'' या ''दीजिए'' के साथ पाँच वाक्य बनाओ।

5. सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—

पानी : वाणी, इनाम : प्रणाम, जन : गण,
पान : बाण, कौन : गौण

पाठ – बाईस

N3X3V8

राष्ट्रीय झण्डा

(कथन-शैली)

नए शब्द —

सामने, ध्यान, झण्डा, रंग, ऊपर, केसरिया, बीच, सफेद, नीचे, हरा, चक्र, नीला, सुन्दर, राष्ट्र, तिरंगा, इज्जत, गौरव, सम्मान, प्यारा, स्वाधीनता, दिवस, आकाश, फहराना, गर्व, प्यार।

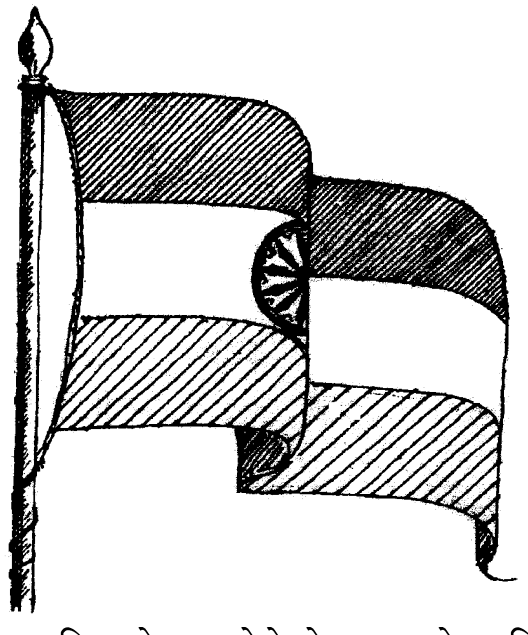

सामने एक चित्र है। इस चित्र को ध्यान से देखो। यह झण्डे का चित्र है। इस झण्डे में तीन रंग हैं। ऊपर का रंग केसरिया है। बीच में सफेद रंग है। नीचे का रंग हरा है। बीच में सफेद रंग के बीचोंबीच एक चक्र है। चक्र का रंग नीला है। यह झण्डा बहुत सुन्दर है।

यह हमारे भारत का राष्ट्रीय झण्डा है। इसमें तीन रंग हैं। इसलिए इसे तिरंगा झण्डा भी कहते हैं। यह झण्डा राष्ट्र की इज्जत है। यह राष्ट्र का गौरव है। हम इसका सम्मान करते हैं। यह हमारा प्यारा झण्डा है।

पन्द्रह अगस्त भारत का स्वाधीनता-दिवस है। इस दिन भारत के आकाश में राष्ट्रीय झण्डा फहराया जाता है। सभी भारतवासी इस झण्डे पर गर्व करते हैं।

हम सब भारतवासी तिरंगे झण्डे को प्यार करते हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे *शब्दों के अर्थ समझो*** :-

   ध्यान - चित्त की एकाग्रता, गौर।

   गौरव - बड़प्पन, आदर, सम्मान।

   स्वाधीनता- स्वतन्त्रता, आजादी ।

   फहराना - इस तरह फैलाना कि फर-फर करते हुए लहराए, इधर-उधर हिलना।

   गर्व - घमंड, अहंभाव, अभिमान ।

2. **उत्तर दो :—**

   (क) झण्डे में कौन-कौन से रंग हैं ?

   (ख) ऊपर का रंग कौन-सा है ?

   (ग) बीच का रंग कौन-सा है ?

   (घ) नीचे का रंग कौन सा है ?

   (ङ) सफेद रंग के बीच क्या है ?

   (च) चक्र का रंग कौन-सा है ?

   (छ) हमारे भारत के राष्ट्रीय झण्डे को तिरंगा क्यों कहते हैं ?

   (ज) भारत का स्वाधीनता दिवस कब होता है ?

   (झ) भारतवासी किस पर गर्व करते हैं ?

पाठ से आगे

(क) भारत का राष्ट्रगीत किसने लिखा ?

(ख) भारत का राष्ट्रफूल क्या है ?

3. **चार्ट को ध्यान से देखो और वाक्य बनाओ :—**

यह	हमारा भारत का तिरंगा हमारे देश का	झण्डा है।

4. **देखो, पहचानो और पढ़ो :—**

क + त = क्त

क + य = क्य

क + व = क्व

क + ष = क्ष

ख् + त = ख्त, तख्त

ख् + य = ख्य, ख्याल

ख् + व = ख्व, ख्वाव

ग् + ग = ग्ग, सुग्गा

ग् + ल = ग्ल, ग्लानि

ग् + व = ग्व, ग्वाल

ग् + घ = ग्घ, बग्घी

घ् + न = घ्न, विघ्न

च् + च = च्च, बच्चा

च् + छ = च्छ, अच्छा

ज् + ज = ज्ज, इज्जत

ज् + ञ = ज्ञ, ज्ञान

ज् + व = ज्व, ज्वर

ण् + ड = ण्ड, अण्डा

त् + त = त्त (त्त), कुत्ता

त् + थ = त्थ, पत्थर

त् + न = त्न, रत्न

त् + प = त्प, तत्पर

ध् + य = ध्य, ध्यान

न् + त = न्त, अन्त

न् + द = न्द, सुन्दर

न् + न = न्न, गन्ना

न् + थ = न्थ, मन्थरा

न् + य = न्य, न्याय

न् + ध = न्ध, अन्धा

प् + प = प्प, छप्पर

प् + य = प्य, प्याला

ब् + ज = ब्ज, सब्जी

ब् + द = ब्द, शब्द

ब् + य = ब्य, ब्याज

भ् + य = भ्य, अभ्यास

म् + प = म्प, पम्प

म् + फ = म्फ, इम्फाल

म् + ब = म्ब, लम्बा
म् + म = म्म, अम्मा
म् + य = म्य, म्यान
ल् + द = ल्द, जल्दी
ल् + ल = ल्ल, उल्लू
ल् + ह = ल्ह, कुल्हाड़ी
व् + य = व्य, व्यापार
श् + न = श्न, प्रश्न
श् + य = श्य, श्याम
श् + व = श्व, ईश्वर
ष् + ट = ष्ट, कष्ट
ष् + प = ष्प, पुष्प
ष् + म = ष्प, भीष्म
स् + ट = स्ट, स्टेशन
स् + त = स्त, पुस्तक
स् + थ = स्थ, स्थान
स् + व = स्व, स्वर
स् + य = स्य, तपस्या
स् + प = स्प, अस्पताल
स् + स = स्स, रस्सी

5. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

खरा : खड़ा, बकरी : लकड़ी, खबर, पकड़,
सारी : साड़ी, पसारना : पछाड़ना।

पाठ – तेईस

V7D2I5

मणिपुर

(कथन-शैली)

नए शब्द —

नक्शा, राज्य, पूर्व, सीमा, स्थित, उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, राजधानी, मुख्य, बाजार, आदि, अन्य, जिला, कई, नदी, और, पर्वत, श्रेणी, नाम, सदा, हरा-भरा, रहना, बड़ा, झील, विभिन्न, प्रकार, स्थायी, निवासी, व्यवसाय, असल में, संगम-स्थल।

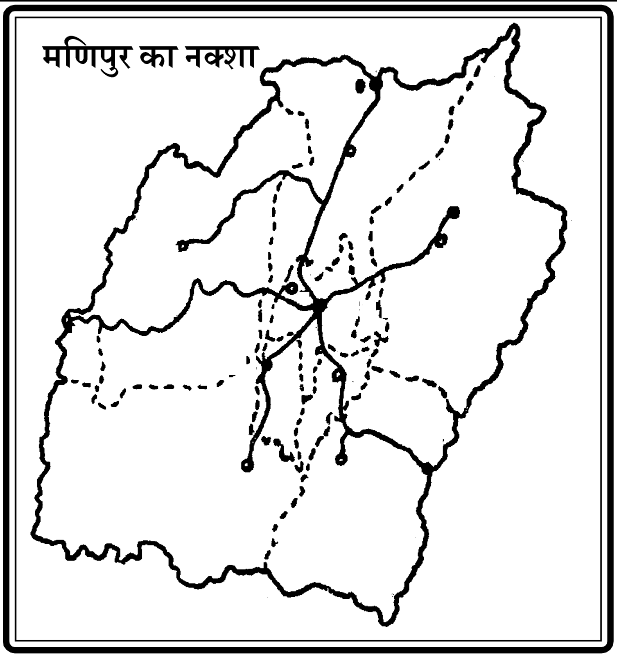

मणिपुर का नक्शा

ऊपर बना यह नक्शा देखो। यह मणिपुर का नक्शा है। मणिपुर हमारा राज्य है। यह भारत की पूर्वी सीमा पर स्थित है। इसके उत्तर में नागालैण्ड राज्य है। पूर्व में मैन्मार (बर्मा) है। दक्षिण में मिजोरम राज्य है। पश्चिम में असम राज्य है।

मणिपुर की राजधानी इम्फाल है। यहाँ एक मुख्य बाजार है। इस बाजार का नाम ख्वाइरम्बन्द है। लमलोङ, शिङ्जमै, थौबाल, ककचिङ्, लमाङ्दोङ्, मोइराङ्, लमका, उख्रूल आदि मणिपुर के अन्य बाज़ार हैं।

मणिपुर में सा○लह जिले हैं। वे हैं – पूर्वी इम्फाल जिला, पश्चिमी इम्फाल जिला, बिशेनपुर जिला, थौबाल जिला, उख्रूल जिला, चान्देल जिला, चुड़ाचाँदपुर जिला, तमेङ्लोङ् जिला, सेनापति जिला, H$mL>mo H$nr, VoL>Zmn|b, 'oS>Ombo, ZmoZo, H$m`OnoL>, {Oar~m`Am|a H$$>ML>

मणिपुर में कई नदियाँ हैं। इम्फाल, नम्बुल और बराक प्रमुख नदियाँ हैं। थौबाल नदी, इरिल नदी, कोङ्बा नदी, लैमताक नदी, इरङ् नदी, खुगा नदी मणिपुर की अन्य नदियाँ हैं।

मणिपुर के चारों ओर कई पर्वत-श्रेणियाँ हैं। नोङ्माइजिङ, लोइजिङ्, थाङ्जिङ्, लाइमतोन, लाङ्गोन, कौब्रू मणिपुर के कुछ पर्वतों के नाम हैं। ये पर्वत सदा हरे-भरे रहते हैं।

मणिपुर में एक बड़ी झील है। इस झील का नाम लोक्ताक है। वाइथौ, लौशी, यारल, ईकोप, पोइरौ आदि मणिपुर की अन्य झीलें हैं। इन झीलों में विभिन्न प्रकार की मछलियाँ रहती हैं।

मैतै, मार, पाइते, थादौ, कबुइ, माओ, अनाल, ताङ्खुल, मरिङ्, कोइरेङ्, कोम, थाङ्गाल, पाङल आदि मणिपुर के स्थानीय निवासी हैं। बंगाली, मारवाड़ी, पंजाबी, आदि भी अपने व्यवसाय के लिए मणिपर में रह रहे हैं। असल में मणिपुर विभिन्न जातियों का संगम-स्थल है।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे *शब्दों का अर्थ समझो :-*

स्थित	-	*एक स्थान पर तिका हुआ, उपस्थित, मौजूद ।*
राजधानी	-	*किसी देश अथवा राज्य का प्रधान नगर जहाँ से उसका शासन होता है ।*
मुख्य	-	*प्रधान, सबसे बड़ा ।*
अन्य	-	*दूसरा, भिन्न, कोई ।*
विभिन्न	-	*बिलकुल अलग, पृथक*
स्थायी	-	*बराबर रहने वाला, परमानेन्ट ।*
व्यवसाय	-	धंधा, पेशा, ऑकुपेशन ।

2. उत्तर दो :—

(क) मणिपुर कहाँ स्थित है ?
(ख) मणिपुर के उत्तर में कौन सा राज्य है ?
(ग) मणिपुर के पूर्व में कौन- सा देश है ?
(घ) मणिपुर की राजधानी का नाम क्या है ?
(ङ) इम्फाल के मुख्य बाजार का नाम क्या है ?
(च) मणिपुर के सा○लह जिलों का नाम बताओ ।
(छ) मणिपुर की सब से बड़ी झील का नाम क्या है ?
(ज) मणिपुर विभिन्न जातियों का संगम-स्थल क्यों है ?

पाठ से आगे

(क) मैन्मार की राजधानी का नाम क्या है ?
(ख) असम की राजधानी का नाम क्या है ?

3. **चार्ट को ध्यान से देखो और वाक्य बनाओ :—**

मणिपुर में	कई बाजार सोलह जिले कई नदियाँ कई पर्वत-श्रेणियाँ कई झीलें अनेक जातियाँ	हैं।

4. **देखो, पहचानो और पढ़ो :—**

क् + क = क्क,	पक्का
क् + ख = क्ख,	मक्खी
क् + ट = क्ट,	डॉक्टर
क् + त = क्त,	रक्त
क् + य = क्य,	क्या
क् + श = क्श,	नक्शा
क् + ष = क्ष (क्‍ष),	पक्षी
फ् + त = फ्त,	दफ्तर
ट् + ट = ट्‍ट (ट्ट),	छुट्‍टी
ट् + ठ = ट्‍ठ (ट्ठ),	चिट्‍ठी
ड् + ड = ड्‍ड (ड्ड),	अड्‍डा
ड् + ढ = ड्‍ढ (ड्ढ),	बुड्‍ढा
द् + द = द्‍द (द्द),	चद्‍दर
द् + ध = द्‍ध (द्ध),	बुद्‍धि

द्	+	य	=	द्य (द्य),		उद्योग
द्	+	व	=	द्व (द्व),		द्वार
द्	+	म	=	द्म (द्म),		पद्म
क्	+	र	=	क्र,		चक्र
त्	+	र	=	त्र,		पत्र
ज्	+	र	=	ज्र,		वज्र
प्	+	र	=	प्र,		प्रजा
द्	+	र	=	द्र,		चन्द्र
ट्	+	र	=	ट्र,		राष्ट्र
श्	+	र	=	श्र,		श्री
ह्	+	र	=	ह्र,		ह्रस्व
ह्	+	न	=	ह्न (ह्न),		चिह्न
ह्	+	म	=	ह्म (ह्म),		ब्राह्मण
ह्	+	ल	=	ह्ल (ह्ल),		प्रह्लाद
ह्	+	व	=	ह्व (ह्व),		ह्वेल
र्	+	क	=	र्क,		तर्क
र्	+	ग	=	र्ग,		वर्ग

5. **सुनो, बोलो और उच्चारणगत अन्तर को समझो :—**

बड़ा : बढ़ा, पड़ना : पढ़ना, बड़ाई : बढ़ाई,
बाड़ : बाढ़, तोड़ : तोढ़

पाठ – चौबीस

Y6I9P4

एक से सौ तक

(गिनतियाँ)

नए शब्द —
आदमी, लोग, जानवर, कवि, मित्र, नेता, मुखिया, राजा, साधु, मूर्ति, कापी, गली, अलमारी, सुई, घाटी, गुड़िया, परी, पूरी, कथा, पाठशाला, परीक्षा, लता, भाषा, बहू, भूजा, प्रथा, गुफा, वधू, सेना, धारा, गाथा, कवि, वस्तु, इक्कीस से सौ तक के शब्द।

१	एक	एक हाथ
२	दो	दो आदमी
३	तीन	तीन रथ
४	चार	चार घर
५	पाँच	पाँच फूल
६	छह	छह लोग
७	सात	सात आम
८	आठ	आठ जानवर
९	नौ	नौ कवि
१०	दस	दस मित्र
११	ग्यारह	ग्यारह फल
१२	बारह	बारह दिन
१३	तेरह	तेरह हाथी

१४	चौदह	चौदह नेता
१५	पन्द्रह	पन्द्रह मुखिया
१६	सोलह	सोलह राजा
१७	सत्रह	सत्रह मोर
१८	अट्ठारह	अट्ठारह छात्र
१९	उन्नीस	उन्नीस मुनि
२०	बीस	बीस दुकानदार
२१	इक्कीस	इक्कीस साधु
२२	बाईस	बाईस भालू
२३	तेईस	तेईस कबूतर
२४	चौबीस	चौबीस हँस
२५	पच्चीस	पच्चीस सूअर
२६	छब्बीस	छब्बीस बाध
२७	सत्ताईस	सत्ताईस खरगोश
२८	अट्ठाईस	अट्ठाइस लड़के
२९	उनतीस	उनतीस घोड़े
३०	तीस	तीस तोते
३१	एकत्तीस	इकत्तीस कुत्ते
३२	बत्तीस	बत्तीस चरखे
३३	तेंतीस	तेंतीस घड़े
३४	चौंतीस	चौंतीस कपड़े
३५	पैंतीस	पैंतीस बच्चे
३६	छत्तीस	छत्तीस पैसे
३७	सैंतीस	सैंतीस दरवाजे

३८	अड़तीस	अड़तीस अण्डे
३९	उनतालीस	उनतालीस पंखे
४०	चालीस	चालीस कमरे
४१	इकतालीस	इकतालीस पुस्तकें
४२	बयालीस	बयालीस ऐनकें
४३	तेंतालीस	तेंतालीस किताबें
४४	चवालीस	चवालीस औरतें
४५	पैंतालीस	पैंतालीस गायें
४६	छियालीस	छियालीस पेंसिलें
४७	सैंतालीस	सैंतालीस आँखें
४८	अड़तालीस	अड़तालीस बतखें
४९	उनचास	उनचास बहनें
५०	पचास	पचास कलमें
५१	इक्यावन	इक्यावन बकरियाँ
५२	बावन	बावन मछलियाँ
५३	तिरपन	तिरपन बिल्लियाँ
५४	चौवन	चौवन खिड़कियाँ
५५	पचपन	पचपन मुर्गियाँ
५६	छप्पन	छप्पन घड़ियाँ
५७	सत्तावन	सत्तावन लड़कियाँ
५८	अट्ठावन	अट्ठावन कुर्सियाँ
५९	उनसठ	उनसठ चिट्ठियाँ
६०	साठ	साठ थालियाँ
६१	इकसठ	इकसठ चिड़ियाँ

६२	बासठ	बासठ गाड़ियाँ
६३	तिरसठ	तिरसठ घण्टियाँ
६४	चौंसठ	चौंसठ जातियाँ
६५	पैंसठ	पैंसठ नीतियाँ
६६	छियासठ	छियासठ मूर्तियाँ
६७	सड़सठ	सड़सठ पुत्रियाँ
६८	अड़सठ	अड़सठ नदियाँ
६८	उनहत्तर	उनहत्तर कापियाँ
७०	सत्तर	सत्तर गलियाँ
७१	इकहत्तर	इकहत्तर गोलियाँ
७२	बहत्तर	बहत्तर अलमारियाँ
७३	तिहत्तर	तिहत्तर सुइयाँ
७४	चौहत्तर	चौहत्तर रोटियाँ
७५	पचहत्तर	पचहत्तर घाटियाँ
७६	छिहत्तर	छिहत्तर गुड़ियाँ
७७	सतहत्तर	सतहत्तर परियाँ
७८	अठ्हत्तर	अठहत्तर बेटियाँ
७९	उन्नासी	उन्नासी पूरियाँ
८०	अस्सी	अस्सी बालिकाएँ
८१	इक्यासी	इक्यासी महिलाएँ
८२	बयासी	बयासी छात्राएँ
८३	तिरासी	तिरासी माताएँ
८४	चौरासी	चौरासी शाखाएँ
८५	पचासी	पचासी कथाएँ
८६	छियासी	छियासी पाठशालाएँ

८७	सतासी	सतासी मालाएँ
८८	अठासी	अठासी लताएँ
८९	नवासी	नवासी परीक्षाएँ
९०	नब्बे	नब्बे भाषाएँ
९१	इक्यानवे	इक्यानवे बहुएँ
९२	बानवे	बानवे भुजाएँ
९३	तिरानवे	तिरानवे प्रथाएँ
९४	चौरानवे	चौरानवे गुफाएँ
९५	पचानवे	पचानवे वधुएँ
९६	छियानवे	छियानवे सेनाएँ
९७	सत्तानवे	सत्तानवे धाराएँ
९८	अट्ठानवे	अट्ठानवे गाथाएँ
९९	निन्यानवे	निन्यानवे कविताएँ
१००	एक सौ	एक सौ वस्तुएँ

प्रश्न-अभ्यास

1. **इकत्तीस से सत्तर तक अंकों में लिखो**

2. **४६ से ८५ तक शब्दों में लिखो।**

3. **नीचे लिखे अंकों को शब्दों में लिखो :—**

   १६, १९, २४, २९, ३३, ३९, ४४, ८६, ८९, ९२, ९९ ।

4. **नीचे लिखे संख्यावाचक शब्दों को पढ़ो और उनको अंकों में लिखो :—**

   अट्ठारह, छब्बीस, उनतीस, चवालीस, छियालीस, सतासी, इक्यानवे, छियानवे।

5. **वाक्यों में प्रयोग करो :—**

तेईस, पच्चीस, चौंतीस, सैंतालीस, तिरपन, छियासठ, बयासी।

6. **ध्यान से देखो, पढ़ो और समझो :—**

१०१	एक सौ एक
१०२	एक सौ दो
१०३	एक सौ तीन
१०४	एक सौ चार
१०५	एक सौ पाँच
२००	दो सौ
२२५	दो सौ पच्चीस
२७५	दो सौ पचहत्तर
३००	तीन सौ
३५०	तीन सौ पचास
४००	चार सौ
५००	पाँच सौ
१०००	एक हजार
१४००	एक हजार चार सौ
१८७५	एक हजार आठ सौ पचहत्तर
१९९०	एक हजार नौ सौ नब्बे
२०००	दो हजार
५०००	पाँच हजार
५००००	पचास हजार
१०००००	एक लाख

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग,
विंध्य-हिमाचल, यमुना-गंगा
उच्छल जलधि-तरंग,
तव शुभनामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाया।

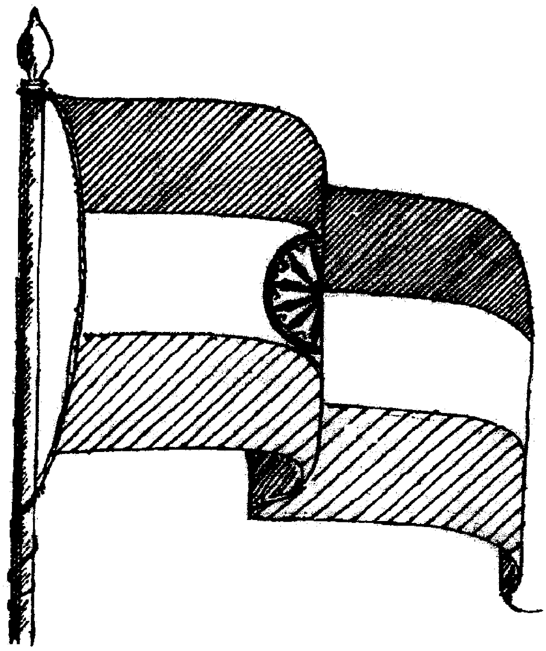

जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।